CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-216
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सुविचार

जब समय सही होगा , सारी चीजें खुद अपनी जगह पर आ जाएगी , धैर्य रखो!

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 11 नवम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

पांच बार के कांग्रेस विधायक मतीन अहमद आम आदमी पार्टी में शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी को एक बड़ा झटका देते हुए पांच बार के विधायक मतीन अहमद आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। मतीन अहमद रविवार को अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में आप में शामिल हुए। बता दें, मतीन अहमद से पहले उनके बेटे-बहू आम आदमी पार्टी का दामन थाम चुके हैं। मतीन अहमद को पार्टी में शामिल करने के दौरान का एक वीडियो अरविंद केजरीवाल ने अपने एक्स हैंडल पर साझा किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, ह्यमुना पार क्षेत्र में चौधरी मतीन अहमद जी जनता के बीच रहकर उनकी सेवा करते आए हैं। चौधरी साहब का आम आदमी पार्टी परिवार में स्वागत है। मतीन अहमद के आप में शामिल होने से ठीक पहले पार्टी को एक झटका लग चुका है। पार्टी के सीनियर नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री रह चुके सरदार हरशरण सिंह बल्ली रविवार को भाजपा में शामिल हुए। बल्ली के साथ उनके बेटे सरदार गुरमीत सिंह रिंकू बल्ली भी भाजपा में शामिल हुए। गुरमीत सिंह रिंकू आम आदमी पार्टी के युवा चेहरे थे।

खालिस्तानी आतंकवादी अर्शदीप दल्ला कनाडा में गिरफ्तार

ओटावा। खालिस्तानी आतंकवादी अर्शदीप सिंह गिल्ल उर्फ अर्शदीप दल्ला को कनाडा में गिरफ्तार किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि दल्ला को ओंटारियो प्रांत के मिल्टन शहर में 27-28 अक्टूबर को हुई गोलीबारी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया। हालांकि, इसको लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि उसे जेल से रिहा किया गया है या वह अभी भी हिरासत में है। अर्शदीप को हरदीप सिंह निज्जर का सहयोगी माना जाता है, जिसे पिछले साल ब्रिटिश कोलंबिया में अज्ञात हमलावरों में मार गिराया था। कनाडा की हल्टन रीजनल पुलिस सर्विस (एचआरपीएस) ने पिछले मंगलवार को दो व्यक्तियों की गिरफ्तारी की जानकारी दी थी। इन दोनों पर हथियार से गोली चलाने का इरादा रखने का आरोप है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान का खुलासा नहीं किया है।

ईराक में 9 साल की लड़कियों के साथ विवाह की मिल जाएगी अनुमति

तेहरान। इराक में विवाह संशोधन कानून की चर्चा के बीच वैश्विक स्तर महिला अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ गई है। दरअसल, ईराक में मौजूदा विवाह कानून में एक ऐसा बदलाव होने जा रहा है, जिसके तहत वहां 9 साल की लड़कियों के साथ साथ विवाह को वैध माना जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक ईराक में शादी के उम्र में संशोधन की पूरी तैयारी है। दावा किया जा रहा है कि यहां की सरकार लड़कियों की शादी की उम्र में कमी करने जा रही है। इराक में विवाह कानून में कानूनी संशोधन के बाद बड़े बदलाव आएंगे। ऐसे में पुरुष 9 वर्ष की महिलाओं से विवाह कर सकंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं को तलाक, बच्चे की हिरासत और विरासत के अधिकार से वंचित करने के लिए भी संशोधन प्रस्तावित किए गए हैं। इसके साथ यह विधेयक ईराक के नागरिकों को पारिवारिक मामलों पर निर्णय लेने के लिए धार्मिक अधिकारियों या नागरिक न्यायपालिका को चुनने की भी अनुमति देगा। यूनिसेफ के अनुसार, पूरे इराक में बाल विवाह की उच्च दर पहले से ही प्रचलित है। लगभग 28त्न इराकी लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र से पहले हो जाती है और प्रस्तावित संशोधनों से स्थिति और खराब होने की आशंका है।

जस्टिस संजीव खन्ना बने देश के 51वें सीजीआई...

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिलाई शपथ

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार (11 नवंबर) को राष्ट्रपति भवन में जस्टिस संजीव खन्ना को भारत के 51वें मुख्य न्यायाधीश की शपथ दिलाईं। जस्टिस खन्ना छह महीने की अवधि के लिए सीजीआईका कार्यभार संभालेंगे। जस्टिस संजीव खन्ना देश के दूसरे सबसे वरिष्ठ जस्टिस हैं। जस्टिस खन्ना का नाम सीजेआई के लिए जिन्हें निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने प्रस्तावित किया था। जस्टिस चंद्रचूड़ का कार्यकाल 10 नवंबर को समाप्त हुआ है।

कैसा रहा, दिल्ली हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक का सफर जस्टिस संजीव खन्ना का जन्म 14 मई 1960 को हुआ था और उन्होंने 1983 में दिल्ली बार काउंसिल के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी। अपने लंबे करियर में उन्होंने संवैधानिक कानून, कराधान, वाणिज्यिक कानून, मध्यस्थता और पर्यावरण कानून जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम किया। दिल्ली उच्च न्यायालय में उन्हें 2005 में अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया था और 2006 में वे स्थायी न्यायाधीश बने। इसके बाद उनका न्यायिक सफर महत्वपूर्ण योगदानों से भरा रहा है, जिसने उन्हें सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचाया।

जस्टिस खन्ना दे चुके है कई ऐतिहासिक फैसले 2019 में, जस्टिस खन्ना को सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस के रूप में नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने कई अहम फैसले सुनाए। जस्टिस खन्ना ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने का ऐतिहासिक फैसला सुनाया, जिससे केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार करने का मौका मिला। इसके साथ ही, जस्टिस खन्ना ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के मामले में देरी के आधार पर जमानत को मान्यता दी।

आर्टिकल 370 हटाने के फैसले पर मुहर लगाई 2023 में जस्टिस खन्ना की बेंच ने आर्टिकल 370 को हटाने के फैसले पर मुहर लगाई, जिससे जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त हुआ। इस फैसले में जस्टिस खन्ना ने कहा कि आर्टिकल 370 को हटाना भारत के संघीय ढांचे को प्रभावित नहीं करता।

समागुरी में उपचुनाव से पहले में हिंसक झड़प

बीजेपी-कांग्रेस समर्थकों ने एक-दूसरे पर चलाई गोलियां

नई दिल्ली। असम के समागुरी विधानसभा क्षेत्र में 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव से ठीक पहले क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। यहां सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस ने एक-दूसरे पर अपने समर्थकों पर गोलियां चलाने का आरोप लगाया है। हिंसा में तीन पत्रकार भी शामिल थे, जिनके साथ कथित तौर पर कांग्रेस समर्थकों ने मारपीट की। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भाजपा कार्यकर्ताओं को डराने के लिए अंधेरे की आड़ में हिंसा का सहारा लेने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। साथ ही, कहा कि किसी को भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाने या कमजोर करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमें सूचना मिली कि पुथीखैती गांव में गोलीबारी की घटना हुई है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लगाए आरोप भाजपा कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि कांग्रेस कार्यकर्ता के घर से विधायक जीतू गोस्वामी की गाड़ी पर गोली चलाई गई। गाड़ी में भाजपा नेता सुरेश बोरा भी सवार थे। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा समर्थकों ने इमाम उद्दीन को गोली मारी, जिससे उनके पैर में चोट लग गई। उन्होंने आगे बताया कि घायल पीड़ित उद्दीन को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया और दावों की पुष्टि की जा रही है। पीटीआई की खबर के मुताबिक, कांग्रेस ने उपचुनाव के लिए भाजपा के दिप्लू रंजन सरमा के खिलाफ तंजील हुसैन को मैदान में उतारा है। वहीं, भाजपा समर्थकों द्वारा तंजील की एसयूवी पर कथित हमले के बाद चुनाव आयोग में शिकायत की।

मोहन भागवत का बड़ा बयान

बोले- मंडरा रहा तीसरे विश्व युद्ध का खतरा हर ओर पहुंच चुके हैं विनाशकारी हथियार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने तीसरे विश्व युद्ध की आशंका जताई है। जबलपुर में दिवंगत संघ नेत्री डॉ. उर्मिला जामदार की स्मृति में आयोजित व्याख्यान के दौरान भागवत ने रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया तबाही के कगार पर खड़ी है। भागवत का मानना है कि विनाशकारी हथियार हर ओर फैल चुके हैं, जबकि गरीबों तक बुनियादी जरूरतें भी नहीं पहुंच पा रही हैं। उनके इस बयान ने अंतरराष्ट्रीय चिंता के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया है।

ग्रामीण इलाकों में दवाएं दुर्लभ, लेकिन देसी कट्टा उपलब्धभागवत ने ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि आज भी कई गांवों में जरूरी दवाएं नहीं मिल पातीं, लेकिन हथियार जैसे देसी कट्टा आसानी से उपलब्ध हैं। भागवत ने यह मुद्दा उठाते हुए विज्ञान की प्रगति पर सवाल किया। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि तकनीकी विकास के बावजूद इसका लाभ आम जन तक नहीं पहुंच रहा है। सामाजिक समस्याओं और सुरक्षा पर ध्यान देना भी आज के दौर की एक बड़ी जिम्मेदारी है।

हिंदुत्व में है मानवता की सेवा का आधार आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि हिंदुत्व ही मानवता का आधार है। भागवत ने कहा कि, हिंदुत्व का मूल उद्देश्य सेवा और करुणा है, जो कि सनातन धर्म के सिद्धांतों पर आधारित है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि हिंदुत्व के सिद्धांत सत्य, करुणा और तपस्या के मूल्य पर टिका है। हिंदुत्व के यह सभी सिद्धांत दुनिया को सही रास्ता दिखाने की क्षमता रखता है। भागवत ने कहा कि मौजूदा समय में हिंदुत्व का संदेश ही मानवता के लिए सबसे जरूरी है।

विश्व की निगाहें भारत पर, हिंदुत्व करेगा शांति का मार्गदर्शन भागवत ने अपने बयान में कहा कि मौजूदा वैश्विक हालातों में शांति की तलाश में दुनिया की निगाहें भारत पर टिकी हैं।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में हुई मुठभेड़

आतंकियों के हमले में अफसर शहीद, तीन सैनिक घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में रविवार को आंतकवादियों के साथ सुरक्षाबलों की हुई मुठभेड़ में सेना का एक जेसीओ शहीद हो गया है, जबकि तीन अन्य जवान घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में दो ग्राम रक्षा गार्ड की हत्या करने के बाद सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों की तलाश तेज कर दी गई थी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल उस स्थान से कुछ किलोमीटर ही दूर है, जहां पर वीडीजी नजीर अहमद और कुलदीप कुमार के गोलियों से छलनी शव मिले थे। सेना की जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि हमें आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी, जिसके आधार पर किश्तवाड़ के भारत रिज क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। यह वही आतंकी समूह था, जिसने दो निर्दोष ग्रामीणों (ग्राम रक्षा रक्षकों) का अपहरण कर उनकी हत्या कर दी थी।

2040 तक भारतीय को चांद पर भेजने की तैयारी में इसरो

स्पेस टूरिज्म में अपार संभावनाएं; मून मिशन से पहले अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की जरूरत

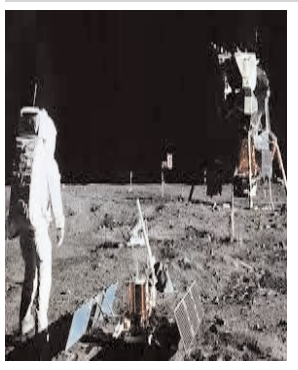

पिलानी (झुंझुनूं)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) के प्रमुख डॉ. एस सोमनाथ ने कहा- हमारा लक्ष्य 2040 तक चांद पर एक भारतीय को उतारने का है। इसके लिए हमें एक अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की जरूरत है, क्योंकि चांद पर इंसान भेजने के लिए एक इंटरमीडियम होना चाहिए। इसके लिए माइक्रोग्रेविटी रिसर्च और कई स्पेशल स्पेस मिशन के लक्ष्यों को हासिल करना होगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल हम लर्निंग फेज में है और सीखने की हमारी यात्रा अनवरत जारी है। इसरो चीफ ने रविवार को झुंझुनूं जिले के बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बिट्स) पिलानी संस्थान में हुए दीक्षांत समारोह के दौरान यह बात कही। इसरो चीफ एस सोमनाथ ने बिट्स पिलानी कैंपस में पौधरोपण किया। इस बाद उन्होंने अपने मोबाइल से पौधे के साथ लगाए बोर्ड की तस्वीर ली। इसरो चीफ एस सोमनाथ ने बिट्स पिलानी कैंपस में पौधरोपण किया। इस बाद उन्होंने अपने मोबाइल से पौधे के साथ लगाए बोर्ड की तस्वीर ली। अब अंतरिक्ष तक पहुंच बहुत आसान एस सोमनाथ ने स्टूडेंट्स से कहा- पूरे स्पेस मैकेनिज्म में बदलाव आ रहा है। स्पेस साइंस में बदलाव को समझना चाहिए। अंतरिक्ष तक पहुंचने और इसके नियमों के बारे में जानना पहले जितना कठिन था, अब उतना मुश्किल नहीं है। जब अमेरिकियों ने मून मिशन के बारे में सोचना शुरू किया था, तो उन्हें अंतरिक्ष कार्यक्रम में बहुत बड़ा इन्वेस्टमेंट करना पड़ता था। उन्हें अपनी राष्ट्रीय संपत्ति का लगभग 20-30 प्रतिशत इन्वेस्टमेंट करना पड़ा था, ताकि वे आज की तरह साइंस कैपेसिटी डेवलप कर सके। अब अंतरिक्ष तक पहुंच बहुत आसान हो गई है। कोई भी आजकल उपग्रह लॉन्च कर सकता है। यह विश्वविद्यालयों और संस्थानों में भी किया जा सकता है और सैटेलाइट लॉन्च की लागत इतनी कम हो गई है कि आज अंतरिक्ष में लगभग 20 हजार उपग्रह हैं। लगभग 50 हजार से अधिक उपग्रह मिनिमम-लेटेंसी टेली-कम्युनिकेशन सेवाएं और इंटरनेट सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, जो वास्तव में काफी हैरान कर देने वाला आंकड़ा है।

स्पेस टूरिज्म में भारत के पास अपार संभावनाएं उन्होंने कहा- अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क चांद पर मानव भेजने, मंगल पर सोसाइटी स्थापित करने की प्लानिंग कर रहे है। उनकी योजना है कि वहां (मंगल ग्रह) लाखों लोगों के लिए कॉलोनी बनाएंगे और एक टिकट से लोग वहां जा सकेंगे। सोमनाथ ने कहा- मुझे लगता है कि स्पेस टूरिज्म का क्षेत्र अच्छा खासा उभरेगा। इस क्षेत्र में भारत के लिए भी अपार संभावनाएं है। हमें बहुत किफायती इंजीनियरिंग के लिए जाना जाता है। हमारा मून और मार्स मिशन दुनिया के सबसे कम लागत वाले मिशन में से एक रहा है और इन दोनों ने हमें बहुत सम्मान भी दिलाया है। इसरो चीफ ने कहा- हमने अगले 5 से 60 सालों के दौरान भविष्य को लेकर भी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है। सरकार ने इसके लिए 30 हजार करोड़ रुपए के बजट की घोषणा भी की है। वर्तमान समय अंतरिक्ष कार्यक्रम के इतिहास में एक बड़ा ऐतिहासिक क्षण है।

बाबा सिद्दीकी को गोली मारने वाला शूटर गिरफ्तार

लॉरेंस के भाई ने कहा था- हत्या के बदले 10 लाख मिलेंगे

बहराइच। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में मुंबई पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। एक शूटर को यूपी एसटीएफ और मुंबई क्राइम ब्रांच की ज्वाइंट ऑपरेशन में गिरफ्तार किया गया है। यूपी स्पेशल टास्क फोर्स के अपर पुलिस महानिदेशक अमिताभ यश ने यह जानकारी दी। मुंबई क्राइम ब्रांच और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने नानपारा कोतवाली इलाके के हांड़ा बसेहरी गांव के पास से नेपाल भागने की फिराक में रोडवेज बस से अपने साथियों के साथ जा रहे बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में फरार हत्यारोपी कैसरगंज के गंडारा गांव निवासी शिवा व उसके चार अन्य साथियों को पकड़ा। टीम उन्हें अपने साथ दिल्ली ले जाने की तैयारी में है। नानपारा कोतवाली के हाड़ा बसेहरी गांव के पास चार इनोवा वाहन से मुंबई क्राइम ब्रांच व एसटीएफ के जवान पहुंचे और नेपालगंज नानपारा मार्ग पर रोडवेज बस को रोक लिया। कुछ संदिग्ध युवकों को बस से उतारकर हांडा बसेहरी स्थित होटल में लेकर गए। यहां सभी ने संदिग्धों से लगभग दो घंटे पूछताछ की। इसके बाद टीम सभी को अपने साथ लेकर चली गई।

हर महीने भी कुछ न कुछ मिलता ही रहेगा

शिव कुमार ने पूछताछ में बताया, मैं और धर्मराज कश्यप एक ही गांव के रहने वाले हैं। पूना में स्क्रैप का काम करता था। मेरी और शुभम लोनकर की दुकान अगल-बगल थी। शुभम लोनकर लॉरेंस बिश्नोई के लिए काम करता है। उसने मेरी बात स्नैप चैट के जरिए लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई से कई बार कराई है। अनमोल ने मुझसे कहा था कि बाबा सि?द्दीकी की हत्या के बदले 10 लाख रुपए मिलेंगे। हर महीने भी कुछ न कुछ मिलता ही रहेगा।

तीनों शूटरों को नए सिम व मोबाइल फोन दिए गए थे

हत्या के लिए असलहा, कारतूस, सिम व मोबाइल फोन शुभम लोनकर और मोहम्मद यासीन अख्तर ने दिया था। हत्या के बाद आपस में बात करने के लिए तीनों शूटरों को नए सिम व मोबाइल फोन दिए गए थे। पिछले कई दिनों से हम लोग मुंबई में बाबा सिद्?दीकी की रेकी कर रहे थे। 12 अक्टूबर की रात सही मौका मिलने पर हम लोगों ने बाबा सिद्?दीकी की हत्या कर दी। उस दिन त्योहार होने के कारण पुलिस और भीड़-भाड़ भी थी। जिसके कारण दो लोग मौके पर पकड़ लिए गए थे और मैं फरार हो गया।

पाकिस्तान ने 3000 सिख तीर्थयात्रियों को जारी किया वीजा

भारतीय रुपए के बजाय अमेरिकी डॉलर में पैसे लेकर पाकिस्तान आने को कहा

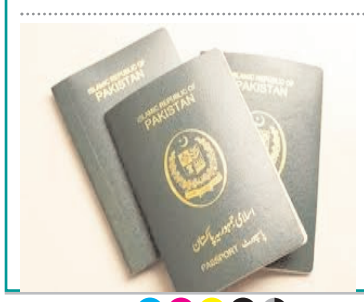

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने गुरु नानक जयंती समारोह में शामिल होने के लिए 3000 भारतीय सिख तीर्थयात्रियों को वीजा जारी किया है। यह जानकारी पाकिस्तान उच्चायोग ने सोशल मीडिया पर दी है। गुरु नानक जयंती सिख समुदाय का सबसे अहम पर्व है, जो इस साल 15 नवंबर को मनाया जाएगा। पाकिस्तान में करतारपुर में गुरुद्वारा दरबार साहिब सिख समुदाय के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इसे गुरु नानक को श्रद्धांजलि देने के लिए बनाया गया था। पाकिस्तान उच्चायोग ने पहले 2244 आवेदकों में से 1481 को वीजा देने से इंकार कर दिया था। पाकिस्तान सरकार ने सिख तीर्थयात्रियों को करेंसी को लेकर भी अहम सूचना जारी की है। उन्होंने कहा है कि तीर्थयात्री भारतीय रुपये के बजाय अमेरिकी डॉलर में पैसे लेकर पाकिस्तान आएं। दरअसल पाकिस्तान करेंसी एक्सेंज में परेशानी का सामना कर रहा है। पाकिस्तान में अपने प्रवास के दौरान, सिख तीर्थयात्री गुरुद्वारा जन्मस्थान और गुरुद्वारा दरबार साहिब सहित कई प्रमुख गुरुद्वारों में मत्था टेकेंगे। पाकिस्तान हाई कमीशन के प्रभारी डी एफेयर साद अहमद वाराइच ने तीर्थयात्रियों को एक सफल यात्रा की शुभकामनाएं दी हैं। यह तीर्थस्थल गुरु नानक को श्रद्धांजलि देने के लिए बनाया गया था, जिन्होंने 1515 में करतारपुर शहर की स्थापना की थी। हर साल बड़ी संख्या में भारतीय सिख तीर्थयात्री गुरुनानक जयंती के अवसर पर पाकिस्तान पहुंचकर मत्था टेकते हैं।

सिंगल कॉलम

घर से सोने के कंगन और अंगूठी ले गए चोर

इंदौर। सांई पॉम कॉलोनी में एक महिला कर्मचारी के घर से बदमाश सोने के जेवर ले गए। महिला अपने पैतृक घर पर परिजनों से मिलने गई थी। इसी दौरान बदमाश वारदात को अंजाम देकर चले गया। सांई पॉम निवासी राशि सोलंकी ने अपनी शिकायत में बताया कि वह शासकीय सेवक है। 7 नवंबर की रात में पति नवनीत सोलंकी के साथ सुदामा नगर अपने पैतृक निवास पर गई थी। शनिवार सुबह पति के पास पड़ोसी जेके सोनी का कॉल आया। उन्होंने कहा कि आप घर आ गए क्या? दरवाजा खुला पड़ा है। तब पति ने इंकार किया। हम तुरंत वहां पहुंचे तो बाहर लोहे के गेट का लॉक लगा हुआ मिला। अंदर के दरवाजे का लॉक टूटा था। कमरे में जाकर देखा तो अलमारी से सोने की चेन, दो सोने के कंगन, सोने की अंगूठी अन्य जेवर ले भागे। इसके बाद पुलिस को जानकारी दी। प्रमोद पहाड़िया का गृह श्रृंगार के नाम से कपड़े का शोरूम है। उनका रामचंद्र नगर में मकान का निर्माण चल रहा है। यहां पर सरिए, लोहे के गेट, बैटरियां रखी हुई थी। जिसे अज्ञात बदमाश चुराकर ले गया। पुलिस ने शिकायत के बाद केस दर्ज कर लिया। एक अन्य मामले में वैभव नगर बिचौली रोड निवासी डॉ. वीरेंद्र की शिकायत पर पुलिस ने मोबाइल चोरी को लेकर केस दर्ज किया है। डॉक्टर वीरेंद्र प्रकाश चंद्र सेठी नगर में डॉक्टर है। 30 अक्टूबर को वह चोइथराम मंडी में फूल खरीद रहे थे। तब उनका मोबाइल जेब में रखा था। इस दौरान आरोपी ने उनका मोबाइल चुरा लिया। पुलिस ने मामले में डॉक्टर से लिखित आवेदन लिया था। इसके बाद शनिवार को केस दर्ज किया गया।

15 नवंबर के बाद मौसम में आएगी ठंडक

इंदौर। शहर में अभी अलसुबह व रात के समय उत्तरी हवा हल्की ठंडक का अहसास करवा रही है। दोपहर में धूप निकलने के कारण मौसम सामान्य बना हुआ है। एक सप्ताह ऐसा ही मौसम रहेगा और तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। 15 नवंबर के बाद मौसम में परिवर्तन हो सकता है। रविवार सुबह व रात में शहर में उत्तरी हवाओं ने ठंडक का अहसास करवाया। वहीं दोपहर में निकली धूप के कारण तापमान सामान्य के आसपास रहा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक रविवार को मौसम शुष्क रहेगा और तापमान सामान्य से अधिक बने रहेंगे। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, इंदौर में अगले सप्ताह भी हल्की ठंड का असर रहेगा और तापमान सामान्य के आसपास ही रहेगा। वर्तमान में इंदौर में हवा का रुख उत्तर व उत्तर पूर्वी तो है, लेकिन यह जमीन की सतह से एक से डेढ़ किलोमीटर की ऊंचाई पर ही चल रही है। इसके ऊपर पश्चिमी हवा चल रही है। यही वजह है कि अभी शहर में शीतलता का असर दिखाई नहीं दे रहा है। नवंबर में अभी तक पश्चिमी विक्षोभ का असर न दिखने के कारण भी अभी तापमान सामान्य के आसपास बना हुआ है। पश्चिमी विक्षोभ के न आने से हिमालय क्षेत्र में भी अभी बर्फबारी शुरू नहीं हुई है। इस वजह से हिमालय की ओर से आ रही उत्तरी हवा में अभी ज्यादा ठंडक नहीं है। मौसम विज्ञानियों की माने तो अगले सप्ताह एक पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है। इसके असर से 15 नवंबर के बाद तापमान में गिरावट आने की संभावना है। अभी सुबह व रात में ठंडक व दोपहर में धूप के कारण गर्मी होने के कारण शहरवासी वायरल, बुखार के शिकार हो रहे हैं। ऐसे में बदलते मौसम में सभी को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरूरत है। अलसुबह वाक या काम पर जाते समय जैकेट पहनें व सिर व कान को टोपी, मफलर से ढंककर रखें। रात के समय भी ठंडक बढ़ने पर इस तरह की सावधानी रखें।

बना मिट्टी के किसान ने उगाई केसर की फसल

इंदौर। देश में केसर का उत्पादन कश्मीर में होता है, लेकिन शहर के एक किसान ने 'एयरोपॉनिक्स' पद्धति की मदद से अपने घर में इसकी फसल उगाई है। किसान ने अपने घर के कमरे में बिना मिट्टी के केसर उगाई है। किसान के घर की दूसरी मंजिल के इस कमरे में इन दिनों केसर के बैंगनी रंग के खूबसूरत फूलों की बहार है। नियंत्रित वातावरण वाले कमरे में केसर के पौधे प्लास्टिक की ट्रे में रखे गए हैं। ये ट्रे खड़ी रैक में रखी गई हैं ताकि जगह का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किया जा सके। किसान अनिल जायसवाल ने बताया कि मैं कुछ साल पहले अपने परिवार के साथ कश्मीर घूमने गया था। वहां पम्पोर में केसर के खेत देखकर मुझे इसके उत्पादन की प्रेरणा मिली। जायसवाल ने बताया कि उन्होंने अपने घर के कमरे में केसर उगाने के लिए एयरोपॉनिक्स तकनीक के उन्नत उपकरणों से तापमान, आर्द्रता, प्रकाश और कार्बन डाइऑक्साइड का नियंत्रित वातावरण तैयार किया ताकि केसर के पौधों को कश्मीर जैसी मुफीद आबो-हवा मिल सके। उन्होंने बताया कि 320 वर्ग फुट के कमरे में केसर की खेती का बुनियादी ढांचा तैयार करने में उन्हें करीब 6.50 लाख रुपये की लागत आई।

शहर में इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम पर शुरू हुई कार्रवाई

अगले चौराहे पर पकड़े गए सिग्नल तोड़कर भागने वाले वाहन चालक

सिटी चीफ इंदौर।
शहर में इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) ने काम करना प्रारंभ कर दिया है। रविवार को इसका ट्रायल किया गया और एक चौराहे पर सिग्नल तोड़कर भागने वालों को अगले चौराहे पर तुरंत पकड़ लिया गया। चौराहों पर लगे कैमरों की मदद से ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों को पकड़ने में पुलिस को कोई परेशानी भी नहीं हुई। अभी तक इंदौर में कैमरे से चालान कट रहे थे और मोबाइल पर मैसेज आ रहे थे या फिर घर पर चालान आ रहे थे। लोग यह चालान नहीं भर रहे थे और इस पर पैनल्टी बढ़ती जा रही थी। इस वजह से पुलिस ने रियल टाइम एक्शन शुरू किया है। अब यदि लोग किसी भी चौराहे पर ट्रैफिक नियम तोड़कर भागेंगे तो उन्हें अगले चौराहे पर पकड़ लिया जाएगा।

अधिकारियों ने दिए सिस्टम को शुरू करने के निर्देश

इंदौर में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर प्रशासन एवं पुलिस ने ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को लेकर सख्ती प्रारंभ कर दी है। इंदौर शहर में यातायात के नियंत्रण के लिये विगत दिनों आयोजित सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में एक चौराहे पर ट्रैफिक नियम तोड़ने पर अगले चौराहे पर ही चालान काटे जाने की कार्रवाई किये जाने का निर्णय लिया गया था। महापौर पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर आशीष सिंह एवं आयुक्त नगर निगम शिवम वर्मा के निदेर्शों के क्रम में इंदौर में इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम ने कार्य करना प्रारंभ कर दिया है।

रसोमा चौराहे पर हुई कार्रवाई

कलेक्टर आशीष सिंह के मार्गदर्शन में स्मार्ट सिटी मिशन इंदौर एवं ट्रैफिक पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से रविवार को रसोमा चौराहे पर आईटीएमएस सिस्टम से चालानी कार्रवाई की गई। देखने में आ रहा था कि सिग्नल तोड़ने पर ऑटोमेटिक चालान जेनरेट तो हो जाते हैं लेकिन चालान जमा करने के सिस्टम में आवश्यक सुधार की आवश्यकता महसूस हो रही थी। इसके लिए यह निर्णय लिया गया था कि चालानी कार्रवाई रियल टाइम की जाये। वाहन चालक द्वारा एक चौराहे पर सिग्नल को तोड़ा जाता है तो अगले चौराहे पर संबंधित पर चालानी कार्रवाई करते हुए वसूली की जाए। इसी के तहत यह कार्रवाई प्रारंभ की गई। कलेक्टर सिंह ने आम नागरिकों से आव्हान किया है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और कार्रवाई से बचें।

एमआर 9 चौराहे पर बनाए चालान और स्पॉट फाइन किया गया

स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांक सिंह एवं पुलिस उपायुक्त अरविन्द तिवारी द्वारा आईटीएमएस सिस्टम से चौराहे पर लाल बत्ती का उल्लंघन करने पर ट्रैफिक पुलिस के माध्यम से चालानी कार्यवाही की गई।

दिव्यांक सिंह ने बताया कि शहर के प्रमुख चौराहों पर आईटीएमएस के माध्यम से ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन करने पर चालान बनाए जा रहे हैं। शनिवार को इस सिस्टम से रसोमा चौराहे से लाल बत्ती का उल्लंघन करने पर ट्रैफिक पुलिस द्वारा एमआर-9 चौराहे पर चिन्हित वाहनों के चालान बनाए गए एवं स्पॉट फाइन किया गया।

सदस्यता अभियान में देश में प्रथम आने पर क्षेत्र 1 के कार्यकर्ताओं का सम्मान, मंत्री विजयवर्गीय ने बोला विपक्ष पर हमला

हरियाणा के बाद महाराष्ट्र की जनता कांग्रेस के दूसरे गाल पर मारेगी तमाचा

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 का भव्य दीपावली मिलन समारोह एवं कार्यकर्ता सम्मान समारोह रविवार को किला मैदान रोड स्थित दलाल बाग मैदान में हुआ। पूरे देश में सदस्यता अभियान में प्रथम रहने पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने क्षेत्र 1 के मेहनती कार्यकर्ताओं का सम्मान भी किया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि हरियाणा की जनता ने कांग्रेस के एक गाल पर तमाचा मारा है दूसरे पर महाराष्ट्र की जनता तमाचा मारेगी। हरियाणा में सभी सर्वे कांग्रेस की जीत की बात कह रहे थे, लेकिन भाजपा ने वहां शानदार जीत दर्ज की। विकास वहीं होता है, जहां डबल इंजिन की सरकार होती है। कांग्रेस शासित राज्यों में कर्मचारियों को सैलरी नहीं मिल पा रही है। जातीय गणना के सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा धर्म और जाति के आधार पर लोगों को बांटने का काम करती है, जबकि मोदीजी विकास की राजनीति करते हैं।

संघ के संस्कारों ने मुझे इस काबिल बनाया है

रविवार को दलाल बाग मैदान में दिपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में हजारों कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत की वजह से विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 सदस्यता अभियान में देश में अव्वल रहा है। भाजपा का कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से काम करता है। देश की सेवा करता है। बाकी राजनीतिक दल के कार्यकर्ता कुर्सी के लिए काम करते है, लेकिन भाजपा का कार्यकर्ता देश के लिए काम करता है।

भाजपा के हमारे कार्यकर्ता देवतुल्य है

पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय ने कहा कि भाजपा के हमारे कार्यकर्ता देवतुल्य है दुनिया में 7 अजूबे हैं, लेकिन आठवां अजूबा भाजपा के कार्यकर्ता हैं। क्योंकि उन्होंने अपनी जीतोड़ मेहनत से भाजपा को शून्य से शिखर तक पहुंचाया है। इस दौरान प्रमुख रूप से भाजपा के वरिष्ठ नेता सत्यनारायण सत्तन, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, संजय शुक्ला, एमआईसी सदस्य गण, पार्षद गण, मंडल अध्यक्ष एवं समस्त भाजपा नेता एवं पदाधिकारीगण मौजूद थे।

कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

कार्यक्रम में तीन महिला कार्यकर्ताओं मोनिका जैन, प्रीति बाहेती, और वंदना नामदेव ने सदस्यता अभियान के दौरान के अपने अनुभव बताए। इस अवसर पर सदस्यता अभियान के दौरान 500 से ज्यादा सदस्य बनाने वाले करीब 35 कार्यकर्ताओं और सदस्यता अभियान के प्रभारी गोविंद सिंह परमार और विजय बिंजवे का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, पूर्व विधायक सत्यनारायणजी सत्तन, टीनू जैन, नगर उपाध्यक्ष अशोक चौहान चाँदू नेता, एमआईसी सदस्य अश्विनी शुक्ला, निरंजन सिंह चौहान, भाजपा नेता घनश्याम काकाणी, मनोज मिश्रा, जयदीप जैन, भूपेंद्र सिंह केसरी, महेश बैरागी, बबली नरवरिया, शिखा संदीप दुबे, बरखा नितिन मालू, संध्या यादव, नीता मुकेश शर्मा, राहुल जायसवाल, संतोष गौर, कमल बाघेला, शिवम यादव, सीमा कृष्ण वल्लभ डाबी, सोनाली मुकेश धारकर, सुभाष सुनैल. राजा यादव, महेश खाटवा, सुनिता गुरंग, देवेंद्र इनानी आदि उपस्थित थे।

बॉडी बिल्डिंग में जीता कांस्य पदक, 30 देशों की चैंपियनशिप में रोशन किया देश का नाम

इंदौर की वंदना ने मालदीव में फहराया परचम

सिटी चीफ इंदौर।
शहर की बॉडी बिल्डर वंदना ठाकुर ने एक बार फिर देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने मालदीव में आयोजित चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मैडल जीतकर देशवासियों को गौरवान्वित किया है। भारतीय बॉडी बिल्डर्स फेडरेशन (आईबीबीएफ) द्वारा मालदीव्स के कैनारेफ रिजॉर्ट में 15वें वर्ल्ड बॉडी बिल्डिंग और फिजीक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में उन्हें यह उपलब्धि मिली।

वंदना ने यह मैडल महिला बॉडी बिल्डिंग के अंतर्गत 55 किलोग्राम से अधिक की श्रेणी में जीता है। प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में दुनिया भर से टॉप बॉडीबिल्डर्स ने हिस्सा लिया, जिसमें वंदना ने इकलौती बिल्डर के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। 5 नवंबर से यह चैंपियनशिप आयोजित की गई। वंदना ने अपनी जीत के बाद कहा, मैं अपने देश के लिए कुछ कर पाई, यह मेरे लिए गर्व का क्षण है। देश को गर्व महसूस कराना ही मेरा लक्ष्य है। यह जीत मेरे कोच, मेरे परिवार और मेरे सभी समर्थकों की मेहनत और विश्वास का परिणाम है। इसलिए मैं उन सभी को दिल से धन्यवाद देती हूं, जिन्होंने इस यात्रा में मेरा साथ दिया। यह जीत सिर्फ मेरी नहीं है, बल्कि यह विजय घोष हमारे देश का है।

समर्पण और परिश्रम रंग लाया

वंदना ने कहा कि जब मैं मंच पर खड़ी थी और कांस्य पदक ले रही थी, उस समय मैंने अपनी यात्रा के हर उस पल को महसूस किया, जिसे मैंने न सिर्फ शारीरिक, बल्कि मानसिक रूप से भी बहुत कठिनाइयों से जूझते हुए पार किया। आज मैं खुशी से कह सकती हूं कि मुझे मेरी मेहनत का फल मिल गया है और मेरा समर्पण एवं परिश्रम रंग लाया है। अब मुझे देश के लिए गोल्ड लाने के लिए कड़ी मेहनत करना है, यही मेरा एकमात्र लक्ष्य है।

देश में बॉडीबिल्डिंग को एक नया उत्साह और दिशा मिली

गौरतलब है कि इस साल की वर्ल्ड बॉडीबिल्डिंग और फिजीक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में दुनिया भर से कुल 30 देशों के लगभग 250 से अधिक बॉडीबिल्डर्स ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता का आयोजन खूबसूरत मालदीव्स के कैनारेफ रिजॉर्ट में किया गया था। भारतीय बॉडीबिल्डर्स ने हमेशा ही अपनी शारीरिक क्षमता को साबित किया है और वंदना की जीत ने यह सिद्ध कर दिया कि भारतीय महिला बॉडीबिल्डर्स भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकती हैं। वंदना ठाकुर की सफलता ने भारतीय बॉडीबिल्डिंग को एक नया उत्साह और दिशा दी है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि यदि सही मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत के साथ प्रयास किया जाए, तो कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। वंदना की इस जीत से न सिर्फ महिला बॉडीबिल्डिंग को प्रेरणा मिलेगी, बल्कि पूरे देश में फिटनेस और बॉडीबिल्डिंग के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।

कार्यशाला में अंतर्राष्ट्रीय योग कॉन्फ्रेंस की तैयारियों की समीक्षा

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। अंतर्राष्ट्रीय योग कॉन्फ्रेंस संकल्प 2024 का आयोजन 16 और 17 नवम्बर को चोइथराम नेत्रालय परिसर में किया जाएगा। इस विशेष योग सम्मेलन का उद्देश्य योग के माध्यम से समग्र कल्याण का प्रसार करना है। इस आयोजन से पूर्व एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें कॉन्फ्रेंस की सभी तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। कार्यशाला में संकल्प 2024 के अध्यक्ष अश्विनी वर्मा जी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने कॉन्फ्रेंस के बारे में समस्त जानकारी प्रदान की और सभी व्यवस्थाओं की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि कोई भी महत्वपूर्ण बिंदु छूटे नहीं और सभी आवश्यक तैयारियाँ समय पर पूरी कर ली जाएं, ताकि कॉन्फ्रेंस में भाग लेने वाले किसी भी प्रतिनिधि को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। कार्यशाला में उपस्थित विभागाध्यक्ष डॉ. हेमंत शर्मा जी ने सभी कार्यों के सुचारु एवं समय पर सम्पादन का आश्वासन दिया। इस अवसर पर डॉ. निर्मल महाजन, सहायक प्राध्यापक अनिल अग्रवाल, सुश्री रौनक सोनी, प्रेम दुआ, चोइथराम कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज के छात्र-छात्राएं, और संकल्प 2024 की विभिन्न समितियों के प्रभारी भी उपस्थित रहे। सभी ने योग सम्मेलन के सफल आयोजन का संकल्प लिया।

61 साल पुराना नेहरू स्टेडियम और उसकी जमीन सरकारी रिकॉर्ड से गायब

सरकारी रिकॉर्ड से गायब नेहरू स्टेडियम और उसकी जमीन

सिटी चीफ इंदौर।
जमीन का सरकारी खसरे पर होना उसके मालिकी हक और भू उपयोग को बताने के लिए जरूरी होता है, लेकिन इंदौर के 40 एकड़ में फैला जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम और उसकी जमीन सरकारी खसरे यानी रिकॉर्ड में ही नहीं है। खतरनाक हो रहे इस स्टेडियम को तोड़कर नया बनाने की योजना बनाने के लिए नगर निगम ने रिकॉर्ड खंगाले तब उन्हें इस बात का पता चला। अब स्टेडियम की जमीन को रिकॉर्ड पर दर्ज कराया जाएगा, ताकि जमीनी काम शुरू हो सके।

रेसीडेंसी क्षेत्र में स्थित इस स्टेडियम का निर्माण 61 साल पहले हुआ था। यहां कई अंतरर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच हुए। अभी भी यहां शहर में सबसे ज्यादा खेल गतिविधियां होती हैं, लेकिन बिल्डिंग के कई हिस्से खतरनाक हो चुके हैं। डेढ़ साल पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर के स्थापना दिवस पर नेहरू स्टेडियम की नई बिल्डिंग की घोषणा की थी।

सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज होने के बाद की जाएगी आगे की कार्रवाई

मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि हमने कंसल्टेंट नियुक्त किया था। स्टेडियम के पुनर्विकास की योजना भी बना ली गई, लेकिन स्टेडियम की जमीन सरकारी खसरे में नहीं है। प्रशासनिक अफसरों को भी यह मामला संज्ञान में लाया गया है। सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज होने के बाद योजना पर आगे काम किया जाएगा।

500 करोड़ खर्च होंगे प्रोजेक्ट पर

नगर निगम ने पीपीपी मॉडल पर स्टेडियम की जमीन पर स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स के निर्माण की प्लानिंग की है। इस प्रोजेक्ट पर 500 करोड़ खर्च होंगे। छोटा नेहरू स्टेडियम की जमीन को भी इसमें जोड़ा जाएगा। स्टेडियम के एक हिस्से को उपयोग कमर्शियल किया जाएगा, ताकि वहां खेल से जुड़ी दुकानें संचालित हो सके। इसके अलावा खिलाड़ियों के रुकने के लिए अलग-अलग कमरे भी यहां बनाए जाएंगे। अभी स्टेडियम में खिलाड़ियों के रुकने की व्यवस्था नहीं होने से काफी परेशानी आती है।

पांच साल में 100 से ज्यादा लोगों को बना चुके थे शिकार

पुलिस आयुक्त की फर्जी आईडी बनाकर ठगी करने वाले जालसाज गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्र की फर्जी आईडी बनाकर राजधानी में 45 हजार रुपये की ठगी को अंजाम देने वाले दो शातिर जालसाल राजस्थान से पकड़े गए हैं। ठगी के महज पांच दिनों के भीतर भोपाल साइबर क्राइम सेल ने अलवर के नगला बंजीरका से दोनों ठगों को गिरफ्तार किया है।

आरोपित भोपाल पुलिस आयुक्त के अलावा देशभर के कई आईपीएस अफसरों के नाम पर फर्जी फेसबुक आईडी बनाते थे और सस्ते दामों पर पुराना फर्नीचर बेचने का ऑफर देकर लोगों से ठगी करते थे। इस तरह से वे अब तक 100 से अधिक लोगों को निशाना बनाकर करीब 30 लाख रुपये की ठगी कर चुके थे। साइबर क्राइम सेल में एडिशनल एसपी शैलेंद्र चौहान ने बताया कि ठगी का मास्टरमाइंड 24 वर्षीय शकील उर्फ आश मुहम्मद अपने दोस्त सुनील कुमार के साथ पिछले करीब पांच वर्षों से साइबर ठगी कर रहा था। वे पुलिस अधिकारियों की फर्जी फेसबुक आईडी पर पुराना सामान बेचने की पोस्ट डालते थे। सस्ते दामों पर अच्छा सामान खरीदने के लालच में लोग भी उनसे पहले मैसेंजर पर संपर्क करते और फिर फोन पर ही डील कर एडवांस राशि के रूप में उन्हें रुपये भेज देते थे। आरोपित बाद में अपना मोबाइल नंबर बंद कर देते थे या फिर अभद्रता करते थे।

हर दिन 60-70 फोन करने का होता था टारगेट

आरोपितों की धरपकड़ के लिए अलवर गए एसआई देवेंद्र साहू के अनुसार, आरोपित एक साथ कई फर्जी आईडी मोबाइल पर चलाते थे। सस्ते सामान खरीदने उनके पास काफी मैसेज आते थे।

आरोपित भी हर दिन 60 से 70 लोगों को फोन करने का टारगेट बनाते थे। इनमें से दो-तीन लोग ठगी के जाल में फंसकर रुपये देते थे। आरोपितों ने बताया कि वे कई सारे नंबरों का उपयोग करते थे। ये सिमकार्ड वे टेलीग्राम पर सस्ते दामों पर ऑर्डर करते थे।

एंटी वायरस अभियान चला रही है राजस्थान पुलिस

शैलेंद्र चौहान ने बताया कि अलवर के नगला बंजीरका क्षेत्र में कई गांव हैं, जहां व्यापक तौर पर लोग साइबर अपराध से जुड़े हैं। इन लोगों पर कार्रवाई के लिए राजस्थान पुलिस ह्लएंटी वायरसह्व अभियान चला रही है। इसके अंतर्गत अन्य राज्यों की पुलिस भी वहां पहुंचकर आरोपितों को गिरफ्तार कर रही है। जिस गांव से आरोपित पकड़े गए थे, वहां कर्नाटक और हरियाणा पुलिस ने भी दबिश दी थी।

नए साल से लागू होगा मध्य प्रदेश सुधारात्मक सेवाएं एवं बंदीगृह अधिनियम

कैदियों को जेलों में मिलेगा दूध, दही और सलाद

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश की जेलों में बंदियों को अब दूध, दही, छाछ और सलाद भी मिल सकेगा। एक जनवरी 2025 से प्रभावी होने जा रहे ह्यमध्य प्रदेश सुधारात्मक सेवाएं एवं बंदीगृह अधिनियमह्व में इसका प्रावधान किया जा रहा है।

वित्त विभाग इस प्रस्ताव का परीक्षण कर रहा है। शासन से अनुमति मिलने के बाद अधिनियम प्रभावी होने के साथ ही खान-पान की व्यवस्थाएं और बेहतर हो जाएंगी। जेल में बंदी टीबी के मरीजों को पहले की तरह अंडा भी दिया जाएगा। इसके साथ ही राष्ट्रीय त्योहार और सप्ताहांत में मिष्ठान्न देने की व्यवस्था भी जारी रहेगी।

पुराने कानून में व्यापक बदलाव

अंग्रेजों के जमाने में बंदियों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता था, यह किसी से छिपा नहीं है। उन्हीं के जमाने का (वर्ष 1894) कानून भी अभी तक चलन में है। अब केंद्र और राज्य सरकार मिलकर जेलों में सुधारात्मक सेवाएं बढ़ाने के प्रयास में हैं। इसी कड़ी में पुराने कानून को बदला जा रहा है। प्रदेश में नए अधिनियम में लगभग एक हजार तरह के नियम शामिल किए गए हैं।

प्रदेश में 45 हजार बंदी

उल्लेखनीय है कि प्रदेश की जेलों में लगभग 45 हजार बंदी हैं। खतरनाक बंदियों को अलग अंडा सेल में रखा जा रहा है, लेकिन अब इसे नियम में भी उल्लेखित किया जाएगा। इसके साथ ही पुराने कई प्रविधान हटा दिए गए हैं, जो अब अप्रासंगिक हो गए हैं।

जेल में खाना बनाने के लिए बंदियों को उनकी रुचि के अनुसार लगाया जाएगा। इस पर कोई बंदी आपत्ति नहीं कर सकेगा। अधिकारियों का कहना है के मप्र संभवत- पहला राज्य बन सकता है, जहां जेलों में बंदियों को दूध, दही और छाछ दिया जाएगा।

खर्च का लगा रहे अनुमान

बंदियों के खानपान की व्यवस्था बेहतर करने के लिए नियमों में कई प्रावधान किए जा रहे हैं। वित्त विभाग इसका अध्ययन कर रहा है कि खर्च कितना आएगा। सहमति मिलने पर व्यवस्था लागू होगी।

- जीपी सिंह, जेल महानिदेशक, मप्र

नर्मदापुरम में 7 दिसंबर को रीजनल इन्वेस्टर्स समिट

सिटी चीफ भोपाल।

मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम में 7 दिसंबर को रीजनल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जाएगा,इसमें निवेशकों को प्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है ताकि उन्हें राज्य से बाहर न जाना पड़े। मुख्यमंत्री आगामी फरवरी में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए विदेश यात्रा पर भी जाएंगे और विदेशी निवेशकों से राज्य में निवेश के अवसरों पर चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस समिट में आईटी, टरटए और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े उद्योगों को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। समिट के माध्यम से प्रदेश में बड़े और छोटे उद्योगों की स्थापना की संभावनाओं को विस्तार दिया जाएगा, जिससे न केवल राज्य का आर्थिक विकास होगा बल्कि स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में भी सुधार आएगा। मुख्यमंत्री यादव ने जानकारी दी कि वे फरवरी में मध्यप्रदेश में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए ब्रिटेन और जर्मनी का दौरा करेंगे। इस यात्रा के दौरान वे विदेशी निवेशकों से मिलकर उन्हें प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करेंगे। उन्होंने बताया कि यह समिट राज्य में औद्योगिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की पूरी कोशिश है कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के लिए राज्य के बाहर न जाना पड़े। इसके लिए राज्य सरकार नए उद्योगों और निवेश की संभावनाओं को प्रोत्साहित करने में जुटी है।

वन नेशन, वन इलेक्शन का समर्थन

चुनावों के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के ह्लवन नेशन, वन इलेक्शनह्व के विचार का समर्थन किया और कहा कि बार-बार चुनाव से ध्यान भटकता है। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि भाजपा महाराष्ट्र, झारखंड और मध्यप्रदेश के उपचुनावों में जीत हासिल करेगी। मुख्यमंत्री यादव ने बताया कि वे झारखंड में तीन जनसभाओं को संबोधित करेंगे और वहां से सीधे विजयपुर रवाना होंगे।

सुसाइड नोट में लिखी अपनी मर्जी से खुदकुशी करने की बात

मंडी व्यापारी ने होटल के कमरे में लगाई फांसी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। पुराने शहर के हनुमानगंज थाना क्षेत्र में हमीदिया रोड स्थित गंगा रेजेंसी होटल में एक मंडी व्यापारी ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। व्यापारी एक दिन पहले अपने घर से निकला और गायब हो गया था। परिजन ने थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। वह होटल में रुक गया था, जहां कमरे में उसका शव फंदे पर लटका मिला।

पुलिस को मृतक के पास से सुसाइड नोट भी बरामद हुआ, जिसमें उसने अपनी मर्जी से खुदकुशी करने की बात लिखी है।

पुलिस ने मर्ग कायमी के बाद मामले को विवेचना में ले लिया है। पोस्टमार्टम के बाद व्यापारी का शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है। हनुमानगंज थाना पुलिस के अनुसार 30 वर्षीय गर्विश मंगल लालघाटी के ओमशिवनगर में परिवार के साथ रहता था। शुक्रवार को सुबह 11 बजे वह घर से करोंद मंडी जाने के लिए निकला था, लेकिन शाम तक वह वापस नहीं आया। स्वजन ने फोन लगाया तो उसका मोबाइल बंद आ रहा था।

खोजबीन के बाद भाई ने कोहेफिजा थाने में गुमशुदगी की शिकायत की थी। शनिवार को पुलिस युवक के मोबाइल नंबर की आखिरी लोकेशन के अनुसार होटल पहुंची। यहां युवक फांसी के फंदे पर झूलता हुआ मिला। युवक के पास से एक सुसाइड नोट भी पुलिस ने बरामद किया है, जिसमें उसने लिखा है कि मेरी मौत का जिम्मेदार मैं खुद हूं, किसी समस्या में फंस गया हूं, इसीलिए जान दे रहा हूं। पुलिस व्यापारी की मौत की वजह तलाश रही है। उसके मोबाइल की कॉल डिटेल्स भी खंगाली जा रही है।

परिजन बोले- कोई परेशानी का जिक्र नहीं किया

उधर, परिजन का कहना है कि व्यापारी ने कभी कोई परेशानी का जिक्र नहीं किया। शुक्रवार सुबह घर से निकलते समय भी वह किसी टेंशन में नहीं था। वह भी समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर व्यापारी ने होटल में पहुंचकर फांसी क्यों लगाई।

अपने कार्यकाल की पहली विदेश यात्रा पर 24 को रवाना होंगे सीएम

ब्रिटेन और जर्मनी में निवेशकों से करेंगे मुलाकात

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव 24 नवंबर को मुंबई से अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर रवाना होंगे, जिसमें वे यूके और जर्मनी के विभिन्न उद्योगपतियों और निवेशकों से मुलाकात करेंगे। यह यात्रा फरवरी 2025 में मध्य प्रदेश में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) के मद्देनजर की जा रही है। यादव का प्रयास है कि वे राज्य में निवेश के नए अवसरों ला सकें और विदेशी निवेशकों को इस आयोजन के लिए आमंत्रित कर सकें। यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री यादव के साथ उनके प्रमुख सचिव सचिव संजय शुक्ला, उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी होंगे। यह टीम यूके और जर्मनी में विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेगी और उन्हें मध्य प्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहित करेगी। यादव का यह दौरा राज्य में विदेशी निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस यात्रा से पहले देश में मुंबई, बेंगलुरु, कोयंबटूर और कोलकाता जैसे प्रमुख शहरों में उद्योगपतियों के साथ बातचीत की है, जहां उन्होंने मध्य प्रदेश में निवेश के लाभ और अवसरों को उजागर किया। राज्य सरकार ने प्रदेश में संभाग स्तर पर रिजनल इंवेस्टर्स समिट का आयोजन भी शुरू कर दिया है, जिसका उद्देश्य स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित करना है। बता दें, इससे पहले भी मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय दौरे किए थे। अब मुख्यमंत्री मोहन यादव इसी दिशा में अपनी भूमिका निभाते हुए प्रदेश को औद्योगिक विकास के एक नए पथ पर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं।

रोल नंबर का फॉन्ट देखकर पीईबी टीम को हुआ शक, जांच में अन्य अभ्यर्थी का निकला

आरक्षक भर्ती परीक्षा में फर्जी एडमिट कार्ड लेकर घुसा युवक, गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी के लाल परेड मैदान में शनिवार को आरक्षक भर्ती परीक्षा के अंतर्गत आयोजित फिजिकल टेस्ट में एक युवक फर्जी एडमिट कार्ड लेकर घुस गया। हालांकि एडमिट कार्ड पर फर्जी तरीके से छपे रोल नंबर की वजह से वह पीईबी की टीम की रडार में आ गया और टेस्ट से पहले ही उसकी जालसाजी पकड़ी गई। टीम ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

पुलिस से पूछताछ में आरोपित युवक ने बताया कि उसके माता-पिता का सपना था कि वह पुलिसकर्मी बने, लेकिन वह आरक्षक की लिखित परीक्षा में फेल हो गया था। वह किसी भी तरह उनके सपने को तोड़ना नहीं चाहता था। इसीलिए फिजिकल टेस्ट के लिए फर्जी एडमिट कार्ड बनवाया था। जहांगीराबाद थाना पुलिस ने आरोपित युवक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है।

माता-पिता से छुपाई लिखित परीक्षा में फेल होने की बात

पुलिस के अनुसार 21 वर्षीय राजबिहारी धाकड़ मूलत- गुना जिले के बम्होरी का रहने वाला है। वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा है। उसके पिता गांव में खेती-किसानी करते हैं और वह मां के साथ रहकर गुना में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता था। साथ ही भोपाल के एक निजी कॉलेज से कृषि की पढ़ाई भी कर रहा है। पिछले वर्ष उसने मध्यप्रदेश आरक्षक की भर्ती का फार्म भरा था। इसकी लिखित परीक्षा में युवक उत्तीर्ण नहीं हो सका था। यह बात उसने अपने माता-पिता से छुपा ली थी और फिर फजीवाड़ा कर पुलिसकर्मी बनने की योजना बना रहा था। युवक ने इंटरनेट से फिजिकल टेस्ट का एडमिट कार्ड ऑनलाइन डाउनलोड किया। इसमें मोबाइल एप से एडिटिंग करते हुए ऐसे व्यक्ति का रोल नंबर डाल दिया, जिसका चयन फिजिकल टेस्ट के लिए हुआ था। इस प्रक्रिया के दौरान सामान्य एडमिट कार्ड से अलग उसके फोन्ट हो गए थे, इसी वजह से वह पकड़ा गया। शक होने पर पीईबी की टीम ने जब रोल नंबर की जांच की तो मालूम हुआ कि इस रोल नंबर के अभ्यर्थी का इसी महीने 15 तारीख को मुरैना में फिजिकल टेस्ट होना है। इसके बाद मामले की शिकायत पुलिस से की गई।

सम्पादकीय

उम्र बढ़ाती है नियमित शारीरिक गतिशीलता

देश में शारीरिक सक्रियता व सेहत के प्रति राष्ट्रीय सोच विकसित करने की जरूरत होती है। जिन देशों, मसलन सिंगापुर, जापान व दक्षिण कोरिया ने फिटनेस रैंकिंग में अव्वल स्थान पाया है, वहां की सरकारों ने इसके लिये विशेष प्रोत्साहन योजनाएं क्रियान्वित की हैं। जिसके फलस्वरूप सेहत को लेकर सक्रियता ने जन-आंदोलन का स्थान लिया है। कमोबेश, योग को लेकर ऐसा अभियान प्रधानमंत्री मोदी की पहल से पूरी दुनिया में शुरू हुआ, लेकिन हमने उसे 21 जून विश्व योग दिवस के आसपास सीमित कर दिया। योग हमारी दैनिक जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल लांसेट की रिपोर्ट चौंकाती है कि आधे वयस्क भारतीय शारीरिक रूप से निष्क्रिय हैं। यह प्रतिशत वर्ष 2000 में करीब बाइस फीसदी था। एक विरोधाभासी तथ्य यह है कि तब भारत वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के हिसाब से तेरहवें स्थान पर था और आज जब भारत पांचवें स्थान पर है तो उसकी शारीरिक निष्क्रियता दुगुनी से अधिक हो गई है।

यह जानते हुए भी कि आम भारतीयों को आनुवंशिक रूप से गैर-संक्रामक रोग मसलन हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर व मोटापा शेष विश्व के लोगों के मुकाबले कई साल पहले हो जाता है, देश में आधे वयस्कों की शारीरिक निष्क्रियता की रिपोर्ट परेशान करती है। विश्व विख्यात मेडिकल पत्रिका लांसेट ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की मार्गदर्शिका का हवाला देते हुए बताया था कि भारतीय जींस इन गैर संक्रामक रोगों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। हमें ये रोग अन्य देशों के मुकाबले दस साल पहले हो सकते हैं। लेकिन नियमित शारीरिक श्रम से हम इन रोगों को टाल सकते हैं। विश्व जनसंख्या समीक्षा का निष्कर्ष है कि हमारा देश विश्व फिटनेस रैंकिंग में 112वें स्थान पर आता है। यही वजह है कि भारत के आधे वयस्क सामान्य शारीरिक निष्क्रियता की वजह से कई गैर संक्रामक रोगों से जूझ रहे हैं। छोटे से देश ताइवान की शारीरिक सक्रियता के प्रति जागरूकता देखिए कि फिटनेस में वह शीर्ष दस एशियाई देशों में शुमार है। दरअसल, देश में शारीरिक सक्रियता व सेहत के प्रति राष्ट्रीय सोच विकसित करने की जरूरत होती है। जिन देशों, मसलन सिंगापुर, जापान व दक्षिण कोरिया ने फिटनेस रैंकिंग में अव्वल स्थान पाया है, वहां की सरकारों ने इसके लिये विशेष प्रोत्साहन योजनाएं क्रियान्वित की हैं। जिसके फलस्वरूप सेहत को लेकर सक्रियता ने जन-आंदोलन का स्थान लिया है। कमोबेश, योग को लेकर ऐसा अभियान प्रधानमंत्री मोदी की पहल से पूरी दुनिया में शुरू हुआ, लेकिन हमने उसे 21 जून विश्व योग दिवस के आसपास सीमित कर दिया। योग हमारी दैनिक जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल लांसेट की रिपोर्ट चौंकाती है कि आधे वयस्क भारतीय शारीरिक रूप से निष्क्रिय हैं। यह प्रतिशत वर्ष 2000 में करीब बाइस फीसदी था। एक विरोधाभासी तथ्य यह है कि तब भारत वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के हिसाब से तेरहवें स्थान पर था और आज जब भारत पांचवें स्थान पर है तो उसकी शारीरिक निष्क्रियता दुगुनी से अधिक हो गई है। ऐसे में जीडीपी वृद्धि के साथ शारीरिक सक्रियता में गिरावट का क्या यह निष्कर्ष निकाला जाए कि हम संपन्नता के साथ आलसी हो गए हैं? यानी आय बढ़ने के साथ हम शारीरिक गतिविधियों के प्रति उदासीन हो गए हैं? क्या भारतीयों की जीवन शैली शारीरिक सक्रियता के विमुख होती जा रही है? यह एक हकीकत है कि जैसे-जैसे हमारे जीवन स्तर में वृद्धि हुई और हमारा खान-पान समृद्ध हुआ, हमने प्रमाद की राह चुन ली। हम दफ्तर कार-स्कूटर से जाते हैं, आराम कुर्सी पर काम करते हैं, घर आकर सोफे पर पसर जाते हैं, टीवी,लेपटॉप व मोबाइल में डूब जाते हैं। लेकिन पैदल चलने की जहमत नहीं उठाते। हम सीढ़ी चढ़ने के बजाय लिफ्ट या एलीवेटर को तरजीह देते हैं। सब्जी मंडी कार से जाते हैं। ऑन लाइन मार्केटिंग के जमाने में हम घर बैठे ही सब कुछ हासिल कर लेते हैं। खाना ऑनलाइन मंगा लेते हैं। तभी बड़े बाजारों की रौनक गायब है। घर का काम हमने कामवाली और नौकर-चाकरों पर छोड़ दिया है। शरीर के स्वस्थ रहने का अपना नियम है। जितने हम चलेंगे, जीवन उतना लंबा चलेगा। हमारे पूर्वजों ने तमाम तीर्थ विकट भौगोलिक स्थितियों वाले स्थलों व पर्वतों पर स्थापित किए थे, ताकि शारीरिक श्रम से हम स्वस्थ रह सकें। हम बड़े तीर्थस्थल वाहनों या हैली सेवाओं से पहुंच रहे हैं। सुविधा सेहत की दुविधा पैदा करती है। जब शरीर से पसीना निकलता है तो शरीर में बीमारी पैदा करने वाले विजातीय द्रव्य भी बाहर निकलते हैं। शरीर के रोम-रोम पसीने से साफ होते हैं और शरीर हमारी त्वचा से भी ऑक्सीजन ग्रहण कर लेता है। योग व प्राकृतिक चिकित्सा का सिद्धांत है कि शरीर के जिस भी हिस्से में ऑक्सीजन की कमी होती है, वह रोगग्रस्त हो जाता है। यही वजह है कि हम प्राणायाम के जरिये शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाकर स्वस्थ रहते हैं। हम नियमित रूप से आसन, प्राणायाम व ध्यान के जरिये तंदुरुस्त रह सकते हैं। तमाम शोध-अनुसंधान इसके जरिये मनोकायिक रोग दूर होने की बात की पुष्टि कर रहे हैं। हमें अपनी योग व प्राकृतिक चिकित्सा की समृद्ध विरासत का लाभ उठाना चाहिए।

चीन के बढ़ते दबदबे को रोकने की भी कोशिश

यूरोपीय देशों के बाजार चीनी प्रोडक्ट से अटे पड़े हैं। अपनी विशाल आबादी का चीन ने भरपूर उपयोग किया है। लेबर सस्ती होने और मौसम अनूकुल होने का लाभ उसने भरपूर उठाया है। मैन्युफैक्चरिंग में चीन दुनिया के सभी देशों से आगे हैं। इसलिए चीन के माल को दरकिनार करना आसान नहीं है। इसके अलावा चीन ने अपनी सैन्य तैयारियों भी तेज कर रखी है। साल 2027 तक चीन ताइवान पर कब्जा करना चाहता है। इसके लिए चीन अपनी सैन्य शक्तियों में भी लगातार इजाफा कर रहा है। उसके युद्धपोत लगातार ताइवान को घेरकर उसे डराते रहते हैं। लेकिन ताइवान की ढाल बनकर अमेरिका खड़ा नजर आता है। चीन अगर कोई हिमाकत करता है तो ट्रंप को ताइवान को बचाने के लिए सेना भेजनी ही पड़ेगी। इसके साथ ही ट्रंप चीन के खिलाफ ट्रेड वार को तेज कर सकते हैं।

हार के बाद हार के विलाप और उसके बाद की बगावत के बाद 78 साल के आदमी ने चुनाव लड़ा और एक बार फिर डेमोक्रेटिक पार्टी को शिकस्त दे दी है। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बनेंगे ये तय हो गया है। लेकिन इसके साथ ही ट्रंप के कमान संभालने के बाद दुनियाभर में भी बदलाव देखने को मिलेगा। ट्रंप की वापसी ने दुनियाभर में खलबली मचा दी है। यहां तक की उन देशों की बेचैनी भी बढ़ गई है जो बाइडेन प्रशासन के दौरान अमेरिका के करीबी रहे हैं। वाइट हाउस में ट्रंप की वापसी से भारत और अमेरिका के बीच सामरिक भागीदारी और मजबूत होने की उम्मीद की जा रही है। एक्सपर्ट का कहना है कि ट्रंप 2.0 में क्वाड और मजबूत होगा। क्वाड में ऑस्ट्रेलिया, भारत, अमेरिका और जापान शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन चीन के बढ़ते दबदबे को रोकने की भी कोशिश करेगा, जिसका फायदा भारत को भी मिलेगा। भारत और अमेरिका के बीच रक्षा, सुरक्षा, काउंटर टेररिज्म और इंटेलिजेंस शेयरिंग की पार्टनरशिप और गहरी होने की उम्मीद। एक्सपर्ट एक अंदेशा भी जता रहे हैं कि ट्रंप चीन समेत कई देशों के माल पर ज्यादा इंपोर्ट ड्यूटी लगा सकते हैं भारत से टेक्सटाइल्स, ऑटोमोबाइल्स और दवाओं का बड़ा निर्यात अमेरिका को होता है। इन पर असर पड़ सकता है। ट्रंप की चीन विरोधी नीति के चलते अमेरिकी कंपनियां चीन के बजाय भारत में निवेश कर सकती हैं।

इस बात पर हर किसी की निगाहें है कि नए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत के साथ कैसा व्यवहार रखते हैं। बांग्लादेश के हिंदू अल्पसंख्यकों को लेकर ट्रंप ने खुलकर बयान दिया। भारत से दोस्ती रखना ट्रंप की जरूरत बताई जाती है। अमेरिका चीन को अपना दुश्मन नं 1 मानता है। चीन को घेरने में भारत की मददगार हो सकता है। चीन की विशाल अर्थव्यवस्था का अमेरिका पर भी सीधा असर है। यूरोपीय देशों के बाजार चीनी प्रोडक्ट से अटे पड़े हैं। अपनी विशाल आबादी का चीन ने भरपूर उपयोग किया है। लेबर सस्ती होने और मौसम अनूकुल होने का लाभ उसने भरपूर उठाया है। मैन्युफैक्चरिंग में चीन दुनिया के सभी देशों से आगे हैं। इसलिए चीन के माल को दरकिनार करना आसान नहीं है। इसके अलावा चीन ने अपनी सैन्य तैयारियों भी तेज कर रखी है। साल 2027 तक चीन ताइवान पर कब्जा करना चाहता है। इसके लिए चीन अपनी सैन्य शक्तियों में भी लगातार इजाफा कर रहा है। उसके युद्धपोत लगातार ताइवान को घेरकर उसे डराते रहते हैं। लेकिन ताइवान की ढाल बनकर अमेरिका खड़ा नजर आता है। चीन अगर कोई हिमाकत करता है तो ट्रंप को ताइवान को बचाने के लिए सेना भेजनी ही पड़ेगी। इसके साथ ही ट्रंप चीन के खिलाफ ट्रेड वार को तेज कर सकते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति रहते हुए भारत और अमेरिका के रिश्ते बहुत मजबूत हुए थे। बाइडेन-कमला हैरिस के कार्यकाल में दोस्ती को बनी रही। लेकिन टकराव भी हुआ। जैसे इस वक्त कनाडा से भारत के टकराव और आतंकी पन्नू को लेकर भारत और अमेरिका के रिश्ते में टकराव दिख रहा है। जबकि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति रहते हुए भारत और अमेरिका की दोस्ती ज्यादा मजबूत नजर आई थी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की नीतियां अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी से काफी मेल खाती हैं, ऐसे में उम्मीद करना चाहिए कि ट्रंप के आने से भारत को कनाडा पर दबाव बनाने में मदद मिलेगी। आपको याद होगा जब पिछले हफ्ते कनाडा के हन्दिू मंदरि पर हमला हुआ, तो डोनाल्ड ट्रंप ने तुरंत आलोचना की थी। उनके बयान के बाद ही जस्टनि ट्रूडो के सुर बदले नजर आए थे। तुरंत उनका भी बयान आया और हमले की निंदा की गई थी। इसके बाद कार्रवाई भी हुई और तीन लोगों को गरिफ्तार कयिा गया। खालिस्तान मुद्दे को लेकर भी ट्रंप का रुख साफ है। वे इस मामले मे किसी भी तरह की हिंसा नहीं चाहते। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अगर मैं चुनाव जीत गया तो रूस और यूक्रेन की जंग को 24 घंटे में बंद करा दूंगा। भले ही 24 घंटे में ऐसा संभव नहीं हो पाए। लेकिन इसके पीछे ये साफ संकेत है कि यूक्रेन को सपोर्ट जरूर बंद या कम किया जा सकता है। जैसे ही अमेरिकन सपोर्ट यूक्रेन को कम होगा तो ये जाहिर सी बात है कि शांति वार्ता की पहल तेज हो जाएगी। नाटो और अमेरिका के समर्थन से ही यूक्रेन रूस के साथ अभी तक युद्ध में टिका हुआ है। इस बात की संभावना काफी तेज है कि ट्रंप के सत्ता संभालते ही यूक्रेन को सपोर्ट कम होगा और युद्ध बंद होने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। रूस पहले ही यूक्रेन की बहुत बड़ी जमीन पर कब्जा कर चुका है और बिना किसी डील के अगर युद्ध बंद होता है तो पुतिन बहुत खुश होंगे। ट्रंप और पुतिन कई बार पहले भी बातचीत कर चुके हैं। अगर जेलेंस्की ट्रंप की बात नहीं मानते हैं तो वह हथियारों की सप्लाई रोक सकते हैं। अमेरिकी हथियारों के बल पर ही यूक्रेन रूस से मुकाबला कर पा रहा है। इसके बाद भी यूक्रेनी सेना अभी बैकफुट पर है।

मीडिल ईस्ट में एक युद्ध का मोर्चा खुला हुआ है। इजरायल का गाजा में छेड़ा गया युद्ध अब उसके आसपास के इलाकों तक फैल चुका है। माना जा रहा है कि इजरायल ट्रंप की वापसी से काफी खुश है। वैसे तो अमेरिकी चुनाव में यहूदियों ने अधिकांश रूप से कमला हैरिस को सपोर्ट किया। लेकिन अब उम्मीद है कि ट्रंप गाजा युद्ध का सर्वमान्य हल निकाल पाएंगे। डॉनल्ड ट्रंप की नीति शुरू से इजरायल को फलस्तीनी अरब बस्तियों पर हमले की खुली छूट देने की रही है। अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने इजरायल स्थित अमेरिकी दूतावास को वहां की राजधानी तेल अवीव से येरुशलम ले जाने का फैसला किया था, जो एक तरह से संयुक्त राष्ट्र के फैसले को खारिज करते हुए इस प्राचीन शहर पर पूरी तरह से इजरायल का कब्जा घोषित करने जैसा था। 15 सितम्बर 2020 को बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश मंत्री इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसे मध्य पूर्व में एक नए युग की शुरूआत के तौर पर देखा गया था। ट्रंप ने कहा था कि हम आज दोपहर यहां इतिहास की दिशा बदलने के लिए यहां आए हैं। दशकों के विभाजन और संघर्ष के बाद हम एक नए मध्य पूर्व की सुबह का प्रतीक हैं।

ट्रंप की वापसी का इजरायल-फलस्तीन युद्ध पर इतना ही असर हो सकता है कि पिछले कई दिनों से ईरान की ओर से इस्राइल पर जवाबी हमले की तैयारियों की जो खबरें आ रही हैं, वे शायद गलत साबित हों और ईरान अपने इस इरादे को हमेशा के लिए ठंडे बस्ते में डाल दे। उसने ऐसा नहीं किया तो उसे पहले से कहीं ज्यादा बड़े अमेरिकी दखल के लिए तैयार रहना होगा। यूं भी ट्रंप का रुख ईरान पर अधिक सख्ती बरतने का रहा है और उनकी वापसी से इस देश को भारी समस्या हो सकती है। गौरतलब है कि भारत ने ईरान के चाबहार में स्थित शाहिद बेहश्ती बंदरगाह टर्मिनल के परिचालन के लिए 10-वर्षीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इससे भारत को मध्य एशिया के साथ कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी। साल 2018 में अमेरिका में रिब्लिकन रूल था और डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति थे। ट्रंप अक्सर धमकियों के जरिए भारत को डराने की कोशिश समय समय पर करते रहते थे। चाहे वो एस 400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम हो या चाबहार पोर्ट से जुड़ा मसला या फिर कोविड-19 के वक्त दवाई की बात हो। ट्रंप की तरफ से कितनी बार कहा गया कि प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, या कोई कार्रवाई की जा सकती है। एक बार तो लग रहा था कि चाबहार और रूस से एस 400 की खरीद के बाद भारत पर कुछ बंदिशें लग सकती हैं। लेकिन भारत की डिप्लोमेसी इतनी अच्छी थी। इसके साथ ही भारत की जरूरत अमेरिका को इतनी ज्यादा थी कि वो किसी भी किस्म की कार्रवाई से बचता रहा। ऐसे में ट्रंप द्वारा ईरान पर कोई भी कदम उठाने से पहले भारत का ध्यान रखना उसकी मजबूरी और जरूरी होगा। भारत का पड़ोसी मुल्क, जिसके साथ दशकों तक भारत के अच्छे संबंध रहे। जिसके साथ भारत ने पूरी शिद्दत से दोस्ती निभाई लेकिन इस साल अगस्त महीने में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट होते ही बांग्लादेश के सुर बदल गए। हिंदुओँ पर वहां लगातार हमले देखने को मिले। उनके घरों, पूजा स्थलों और दुकानों-मकानों को निशाना बनाया गया। डोनाल्ड ट्रंप ने दीवाली की शुभकामनाएं देते हुए बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के खिलाफ बर्बर हिंसा की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि वहां पूरी तरह अराजकता की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि मेरे निगरानी में ऐसा कभी नहीं होता।

मॉरिशस का ये द्वीप बना भारत का नया खुफिया सैन्य अड्डा ?

25 किलोमीटर लंबा अगलेगा द्वीप मॉरिशस का हिस्सा है। अगलेदा द्वीप की दूरी मॉरीशस से एक हजार किलोमीटर है। लेकिन मॉरिशस ने अपने अगलेगा द्वीप पर भारत को लाकर बैठा दिया। भारत अगलेगा द्वीप से नौसेना के पी8आई सर्विलांस एयरक्रॉफ्ट,ड्रोन, हेलीकॉप्टर और युद्धपोत ऑपरेट कर सकता है। पी8आई को बोईंग 737 को मॉडिफाई करके बनाया गया है जो पनडुब्बियों पर नजर रख सकता है और उनको निशाना बना सकता है। साथ ही यह समुद्री संचार की निगरानी कर सकता है।

29 फरवरी ऐसी तारीख है जो चार सालों में एक बार आती है। यानी ये दिन खास रहता है। इसी दिन पीएम मोदी ने एक बटन दबाकर दुनियाभर को हैरान कर दिया और मालदीव व चीन के सपनों को चकनाचूड़ कर दिया। मादलीव और चीन ने भारत के खिलाफ जो प्लान बनाया था उसे पीएम मोदी ने एक बटन दबाकर डिलीट कर दिया। मॉरिशस के आगलेगा द्वीप को भारत का नया खुफिया सैन्य अड्डा भी कहा जा रहा है। 2015 में मॉरिशस ने भारत के साथ एक समझौता किया जिसके तहत 3,000 मीटर लंबी एक हवाई पट्टी और एक जेट्टी का निर्माण किया जाना था। यह समझौता दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा को लेकर बढ़ते सहयोग के तहत हुआ।

25 किलोमीटर लंबा अगलेगा द्वीप मॉरिशस का हिस्सा है। अगलेदा द्वीप की दूरी मॉरीशस से एक हजार किलोमीटर है। लेकिन मॉरिशस ने अपने अगलेगा द्वीप पर भारत को लाकर बैठा दिया। भारत अगलेगा द्वीप से नौसेना के पी8आई सर्विलांस एयरक्रॉफ्ट,ड्रोन, हेलीकॉप्टर और युद्धपोत ऑपरेट कर सकता है। पी8आई को बोईंग 737 को मॉडिफाई करके बनाया गया है जो पनडुब्बियों पर नजर रख सकता है और उनको निशाना बना सकता है। साथ ही यह समुद्री संचार की निगरानी कर सकता है।

एक बड़े रणनीतिक बढ़त हासिल करते हुए भारत ने पश्चिमी हिंद महासागर में स्थित अगलेगा द्वीप पर एक नई एयरस्ट्रिप और एक नई जेट्टी बनाई। भारत ने अगलेगा में 3 हजार मीटर लंबी एयरस्टिरप बनाई। जहां बड़े कमार्शियल विमानों के साथ साथ लड़ाकू विमान भी उतर सकते हैं। इसके अलावा भारत ने अगलेगा द्वीप से समुद्र के काफी अंदर तक जाने वाली जेट्टी भी बनाई है। आपको बता दें कि जेट्टी समुद्र तट पर बना वो स्थान है जहां जहाज आराम से लंगर डालकर खड़े हो सकते हैं और उनपर माल लादा और उतारा जा सकता है। भारत अगलेगा द्वीप पर अपने विमान को उतारने के साथ ही जंगी जहाजों को जेट्टी पर खड़ा भी कर सकता है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटेजिक स्टडीज ने इस ढांचे को सर्विलांस स्टेशन बताया है और कहा है कि यहां वैसा ही तटीय रडार सर्विलांस सिस्टम लगाया जाएगा, जैसा मॉरिशस में भारत निर्मित उपकरण लगाए गए हैं।

भारतीय नौसेना के 50 से अधिक अधिकारी और कर्मी पहले से ही इस रणनीतिक द्वीप पर तैनात हैं और दोनों देश अगालेगा द्वीप पर जनशक्ति की संख्या को और बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। अपनी समुद्री क्षमताओं को मजबूत करने के भारत के प्रयास अगालेगा से भी आगे तक फैले हुए हैं। डुक्म बंदरगाह, ओमान में एक समुद्री सहायता बेस की स्थापना और उत्तरी अगालेगा द्वीप समूह में एक हवाई सहायता सुविधा स्थापित करने की योजना के साथ, भारत का लक्ष्य हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में मित्र देशों के लिए समुद्री डोमेन जागरूकता और विशेष रूप से क्षेत्र में चीन की बढ़ती उपस्थिति के आलोक में तटीय सुरक्षा को बढ़ाना है। अगलेगा द्वीप अफ्रीका के जिबूती से बेहद नजदीक है। आपको बता दें कि जिबूती में चीन का नौसेनिक अड्डा है। लेकिन अगलेगा पहुंचकर भारत चीन की छाती पर अपने जहाज खड़े कर सकता है। अगलेगा द्वीप के आसपास समुद्री डाकुओं का भी काफी आतंक रहता है। ये समुद्री डाकू दुनियाभर के देशों के जहाजों पर हमले करते हैं। चीन अफ्रीका के जिबूती से लेकर मालदीव तक भारत को घेरने के लिए स्टिंग ऑफ पर्ल्स बना रहा था।

1970 के दशक से ही भारत मॉरिशस के बीच करीबी रक्षा रिश्ते रहे हैं। देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, इसके कोस्ट गार्ड चीफ और पुलिस हेलीकॉप्टर स्क्वाड्रन के प्रमुख-ये सभी भारतीय नागरिक हैं और क्रमशः भारतीय विदेशी इंटेलिजेंस एजेंसी, नेवी और वायुसेना के अधिकारी हैं। ये बात तो साफ है कि भारत और इसके पश्चिमी सहयोगी, हिंद महासागर में चीन की बढ़ती मौजूदगी को लेकर चिंतित हैं। ऐसे में मॉरिशस में भारत के सीक्रेट मिलिट्री बेस होने को एक बड़े कमद के तौर पर देखा जा सकता है। हालांकि भारत सरकार की तरफ से आधिकारिक रूप से इस तरह की कोई भी बात स्वीकार नहीं की गई है।

बिलासपुर ट्रेन से गिरे दो युवकों की मौत हो जाने के बाद शव उठाने पहुंचे चौकी प्रभारी और हंड्रेड डायल पायलट यावर आए ट्रेन की चपेट में

बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल से जबलपुर रेफर

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, मजदूरी करने रायपुर जा रहे दो युवक बिलासपुर ट्रेन से रविवार देर शाम गिर जाने पर उन्हें उठाने गए बांदकपुर चौकी प्रभारी एएसआई राजेंद्र मिश्रा और मौजूद हंड्रेड डायल पायलट यावर खान पिता हिदायत खान अचानक ट्रेन की चपेट में आने से बुरी तरह से घायल हो गए. जिन्हें तत्काल उपचार के लिए 108 के द्वारा दमोह जिला अस्पताल में भर्ती किया गया. यहां डॉक्टर के द्वारा उपचार के दौरान आनन-फानन में पुलिस फॉलो एंबुलेंस से तत्काल जबलपुर रेफर किया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया गया है कि बंडा से रायपुर मजदूरी करने जा रहे नीरज पिता सुख सिंह उम्र 23 वर्ष और अभिषेक पिता कन्हैया लोधी उम्र 21 वर्ष निवासी बंडा चलती ट्रेन से गिर गए थे. जिनकी मौत हो जाने पर स्थानीय पुलिस आरपीएफ और जीआरपी पुलिस द्वारा तलाश किया जा रहा था. तभी हिंडोरिया थाना क्षेत्र के करैया भदौली के पास दोनों शव पुलिस को बरामद होने पर शव को उठाने के दौरान करीब 8 बजे तेज रफ्तार में आ रही ट्रेन की टक्कर लगने पर एएसआई राजेंद्र मिश्रा और हंड्रेड डायल पायलट यावर खान बुरी तरह से घायल हो गए. बताया गया है कि बांदकपुर चौकी प्रभारी एएसआई राजेंद्र मिश्रा को ट्रेन की टक्कर लगने से लेफ्ट हाथ अलग हो गया और मौजूद हंड्रेड डायल पायलट को सिर और हाथ में गंभीर चोट आने पर उसे भी इलाज के लिए जिला अस्पताल के बाद रेड क्रॉस/108 एंबुलेंस के माध्यम से पुलिस वाहन आगे लगाकर तत्काल जबलपुर रेफर किया है. दोनों की हालत ठीक है. घटना की जैसे ही जानकारी पुलिस अधीक्षक श्री सोमवंशी. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा. टीआई आनंद राज. टीआई दमोह देहात मनीष कुमार के अलावा और भी पुलिस अधिकारी कर्मियों को लगने पर वह भी जिला अस्पताल पहुंचे, यहां अस्पताल में भी देखने भीड़ उमड़ पड़ी.

जीआरपी सतना ने की सनसनी खेज जघन्य अबोध बालक की अंधी हत्या का खुलासा 24 घंटे के अंदर आरोपी गिरफ्तार

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

सतना, मामले के संबंध में 2 दिन पूर्व अपहरण के बाद अबोध बालक की सनसनीखेज हत्या का खुलासा करते हुए जीआरपी थाना प्रभारी राजेश राज ने बताया कि दिनांक 07.11.2024 को फरियादी प्रिन्स पाण्डेय पिता नित्यानन्द पाण्डेय निवासी रीवा ने चौकी उपस्थित आकर बताया कि मेरी पत्नी पिंकी पाण्डेय मेरे 3 माह का बच्चा शिवा पाण्डेय को लेकर स्टेशन के बाहर हनुमान मंदिर के पीछे सो रही थी तो रात्रि लगभग 3-4 बजे कोई अज्ञात व्यक्ति मेरे बच्चे को उठाकर ले गया कि रिपोर्ट पर अपराध क्रं. 519/24 धारा 137(2) बीएनएस कायम कर विवेचना मे लिया गया वरिष्ठ धिकारियो को अवगत कराया गया जिस पर रेल पुलिस अधीक्षक सुश्री शिमाला प्रसाद महोदय से प्राप्त निर्देश एवं पुलिस उप अधीक्षक श्रीमान् लोकेश मार्को महोदय के मार्गदर्शन में अपहृत बालक की पतारसी की गयी मामले मे अपहृत बालक का पम्पलेट छपवाकर मानिकपुर, मैहर, कटनी, जबलपुर, टीम भेजकर पतारसी एवं चस्पा कराये गये दौरान विवेचना दिनांक 08.11.24 को थाना कोतवाली में पदस्थ उनि प्रीती कुशवाहा से ज्ञात हुआ कि थाना कोतवाली मे मर्ग क्रमांक 174/24 धारा 194 बीएनएसएस कायम किया गया है जिसमे मृतक अज्ञात शिशु उम्र करीबन 3 माह का शव पन्नीलाल चौक के पास मिला है शव को मरचुरी मे रखाया गया है जिस पर फरियादी प्रिन्स पाण्डेय को सूचना दी गयी जिस पर प्रिन्स पाण्डेय ने मृतक की पहचान अपने बालक शिवा पाण्डेय के रूप मे किया। थाना कोतवाली से मर्ग डायरी प्राप्त कर मामले मे हत्या की धारा 103 बीएनएस का इजाफा कर आरोपी की तलाश पतारसी की गयी दौरान पतारसी शव मिले स्थान की फुटेज स्मार्ट सिटी से प्राप्त किया जाकर स्टेशन के कई लोगो को एवं फरियादी प्रिन्स पाण्डेय को फुटेज दिखाये गये तो प्रिन्स पाण्डेय ने तुरंत आरोपी की पहचान वीरेन्द्र उर्फ छोटू चौधरी निवासी हनुमान नगर नई बस्ती के रूप मे किया जिसको पकडने के लिये कई जगह दबिश दी गयी परन्तु आरोपी शातिर होने से अपनी उपस्थिति छुपाये भाग रहा था तभी मुखबिर की सूचना प्राप्त हुयी कि आरोपी की मां मटका मटन दुकान सिविल लाईन कोठी चौराहा मे काम करती है आरोपी बाहर भागने के लिये अपनी मां के पास पैसे लेने गया है तभी दबिश दी गयी तो आरोपी पुलिस को देखकर वहां से भागा जिसे रेलवे स्टेडियम के पास पकडा गया पूछतांछ पर अपना जुर्म स्वीकार कर बताया कि 15-20 दिन पहले प्रिन्स पाण्डेय ने मुझे मारा था जिसका बदला लेने के लिये मैने उसके बच्चे को 4 बार जमीन मे पटक कर मारा हूं। जिस पर विधिवत वैधानिक कार्यवाही कर आरोपी को न्यायालय पेश किया जा रहा है इस सराहनीय कार्य मे चौकी प्रभारी उनि राजेश राज, सउनि आर एस शुक्ला, अशोक तिवारी, प्र आर दयाचन्द तिवारी, पदमाकर सिंह, अनुज चतुर्वेदी, शंकर सहाय, आर प्रशान्त यादव, अवधेश मिश्रा, सज्जन सिंह, पप्नीश यादव, कमलेश साकेत, सचिन मिश्रा, अनिल अहिरवार की अहम भूमिका रही।

आज रात को देव और दानवों का होगा वाक्युद्ध

लगातार 271 वर्ष से चली आ रही परंपरा का आज होगा निर्वहन, ऐतिहासिक कंस वधोत्सव का होगा आयोजन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर। नगर में कंस वधोत्सव की अनूठी परंपरा इस बार फिर पूरी उत्साह के साथ निभाई जाएगी। कंस चौराहा स्थित दरबार में बैठाए गए कंस के पुतले का वध सोमवार को रात 12 बजे श्रीकृष्ण बने कलाकार द्वारा किया जाएगा। मथुरा में कंस के वधोत्सव की परंपरा का निर्वहन प्राचीन समय से किया जाता रहा है। वहीं मथुरा के बाद शाजापुर में करीब 271 वर्ष से यह आयोजन हो रहा है। नगर देव और दानवों के बीच वाक्युद्ध होगा। कार्यक्रम के भव्य आयोजन के लिए समिति द्वारा तैयारियों को पूरा किया गया है। कंस वधोत्सव के आयोजन में कलाकार देव और दानवों के भेष में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। कंस वधोत्सव समिति संयोजक तुलसीराम भावसार ने बताया कि आयोजन की शुरुआत रात 8.30 बजे बालवीर हनुमान मंदिर से चल समारोह के रूप में होगी। जो कंस चौराहा, मगरिया, बस स्टैंड, गवली मोहल्ला से होते हुए आजाद चौक पहुंचेगा यहां देवता और दानवों के बीच वाक्युद्ध होगा। इसमें दोनों ही वर्तमान परिप्रेक्ष्य को लेकर अपने-अपने मजेदार संवाद से लोगों का मनोरंजन करेंगे। इसके बाद चल समारोह सोमवारिया बाजार पहुंचेगा और यहां भी देवता और दानव आपस में वाक्युद्ध करेंगे। इसके बाद भगवान श्री कृष्ण बने कलाकारों द्वारा कंस का वध किया जाएगा और गवली समाज के युवाओं द्वारा कंस के पुतले को घसीटते हुए अपने साथ ले जाएंगे। संयोजक भावसार ने बताया कि कंस दशमी पर होने वाले आयोजन में दानवों की टोली में विलेश व्यास, शांतिलाल जैन, दिनेश मालवीय, अभय देवतवाल, विशाल देवतवाल, सुनील बाबा, सतीश शर्मा, नवीन वशिष्ठ, अशोक मालवीय होंगे। ये देवताओं से संवाद करेंगे। जिनका जवाब देने के लिए देवताओं की टोली में राजकुमार पांडे, ऋषभ भट्ट, ऋषिकेश भट्ट, कुश सोनी सहित अन्य कलाकार होंगे। समिति संयोजक भावसार सहित समिति के अजय उदासी, संजय शर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष पं. संतोष जोशी, नपा जल कार्य समिति सभापति प्रेम यादव, दिग्दर्शन सोनी, सर्व हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर, पूर्व नपाध्यक्ष प्रदीप चंद्रवंशी, रामचंद्र भावसार (मुन्ना), सत्या वात्रे, अजय चंदेल, सतीश राठौर, धर्मेंद्र प्रजापत, सुनील पेंटर, अजय वर्मा, यशवंत भावसार, रवि राजानी, पंकज सोलंकी, सोनू भावसार, रिंकू तिवारी, जयंत परमार, बंटी भावसार आदि का विशेष सहयोग रहा।

आजाद चौक में भी मंच से होंगे संवाद अभी तक आजाद चौक में देव और दानवों के बीच संवाद में दोनों ही अपने-अपने रथ पर सवार रहते थे, लेकिन इस बार दानवों के लिए मंच तैयार किया गया हैं। इस मंच से ही सभी दानव बने कलाकार अपने-अपने संवाद प्रस्तुत करेंगे। समिति सदस्यों ने बताया कि दानव बने कलाकारों की संख्या ज्यादा होने के कारण आजाद चौक में व्यवस्था बनाना परेशानी भरा रहता हैं। इस स्थिति में समिति द्वारा दानवों के संवाद मंच से कराने का निर्णय लिया गया हैं। आयोजन में विशेष सहयोगी के रूप में श्रीकृष्ण व्यायामशाला ट्रस्ट के अध्यक्ष वीरेंद्र व्यास, शांतिवन समिति के अध्यक्ष रूपकिशोर नवाब एवं पूर्व विधायक पुरुषोत्तम चंद्रवंशी उपस्थित रहेंगे।

गवली समाजजनों का किया जाएगा सम्मान समिति संयोजक भावसार ने बताया कि सोमवारिया बाजार स्थित कंस चौराहा पर सोमवार रात 11.45 बजे गवली समाजजनों के पहुंचने पर समाज के वरिष्ठों का साफा बांधकर और पुष्पमाला से स्वागत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नगर में चल समारोह में देवता बनने वाले कलाकार लोगों का अभिवादन करेंगे। वहीं दानवों का रूप धरे कलाकार राक्षसी अट्टहास से सभी को डराएंगे।

ट्रैफिक पुलिस द्वारा चलाया गया रोको टोको अभियान

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, आज ट्रैफिक पुलिस द्वारा शहर के मुख्य मार्गों पर वाहन चेकिंग लगाकर ओवर स्पीड से चलने वाले वाहन चालक, तीन सवारी बैठकर खतरनाक ड्राइविंग करने वाले वाहन चालक, बाइक का साइलेंसर मॉडिफाई करवा कर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले वाहन चालक को विशेष रूप से चेक किया गया। बस चालकों को ब्रेथ एनालाइजर से किया गया चेक बस स्टैंड में बसों को व्यवस्थित रूप से खड़ा करवाया गया, साथ ही बस चालकों को ट्रैफिक रूल्स का पालन करते हुए वाहन चालन करने की समझाइश दी गई। चालकों को ब्रेथ एनालाइजर से चेक भी किया गया।

मॉडिफाई साइलेंसर को हटवाया गया बुलेट गाड़ी में साइलेंसर को मॉडिफाई करवा कर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाली बाइक को जप्त कर कार्यवाही करते हुए साइलेंसर हटाया गया। तीन सवारी बिठाकर खतरनाक तरीके से ड्राइविंग करने वाले चालकों पर कार्यवाही करते हुए दो बाइक की गई जप्त। इंटरसेप्टर व्हीकल से ओव्हर स्पीडिंग की जांच की गई तेज गति से वाहन चलाने वाले वाहन चालकों की चेकिंग की गई साथ ही उन्हें निर्धारित गति में वाहन चलाने की समझाइश दी गई।

– ट्रैफिक पुलिस अनूपपुर

22 नवम्बर तक आयोजित होने वाले खादी महोत्सव का राज्यमंत्री एवं जिलाधिकारी ने किया शुभारम्भ

उद्योगों को बढावा देने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के साथ ही संचालित की जा रही विभिन्न योजनाएं - राज्यमंत्री

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, राज्य मंत्री संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास जसवन्त सैनी ने कम्पनी बाग में आयोजित खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा लगायी गई भव्य सहारनपुर खादी महोत्सव, 2024-25 का फीता काटकर शुभारम्भ किया। उन्होंने गणेश जी की मूर्ति पर दीप प्रज्वलित करने के साथ ही महात्मा गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण भी किया।

जसवन्त सैनी ने कहा कि कुटीर उद्योगों से ग्राम आत्मनिर्भर बनता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने वोकल फोर लोकल के लिए प्रेरित किया है जिससे ग्रामीण क्षेत्र का आर्थिक विकास हो सके। उन्होंने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि खादी प्रदर्शनी का भ्रमण कर स्वदेशी उत्पादो की बिक्री में सहयोग प्रदान करें जिससे देशभर से आये स्टालो के प्रतिनिधि को अधिक से अधिक आर्थिक लाभ हो सके। सरकार का उद्देश्य है कि नवयुवकों को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के अवसर प्रदान हों जिसके लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि पारम्परिक उद्योगों एवं कलाओं को आधुनिक तकनीक एवं योजनाओं से जोडकर नई पहचान स्थापित की जा रही है। बडे उद्योगों के साथ ही छोटे उद्योगों को बढावा देने के लिए सरकार अनुकूल वातावरण प्रदान कर रही है। आज देश एवं दुनिया के उद्यमी उत्तर प्रदेश में निवेश कर रहे है।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा 22 नवम्बर तक आयोजित की जाने वाली प्रदर्शनी में आकर उत्पादों की खरीदारी करें जिससे छोटे उद्यमियों को प्रोत्साहन मिल सके। उन्होने कहा कि गाँव में काम करने वाले कुटीर उद्योग से प्रदूषण से राहत मिलती है तथा पर्यावरण को लाभ होता है। ऐसे स्वदेशी उद्योगो की प्रगति से ग्राम का विकास होने के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था में भी सकारात्मक लाभ होता है। छाटे-छोटे उद्योगों से महिला उद्यमियों को आर्थिक मजबूती मिल रही है जिससे महिलाएं सशक्त होने के साथ ही आत्मनिर्भर भी बन रही है। उन्होने कहा कि इस तरह के आयोजनों से क्षेत्रीय एवं पुरानी कारीगरी को बढावा मिलता है। कार्यक्रम के अंत में प्रदर्शनी के आयोजक परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी एस0एल0 अग्रवाल द्वारा उपस्थित राज्य मंत्री, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, पत्रकार बन्धुओं व उपस्थित आंगनवाणी कार्यकत्री, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का आभार प्रकट किया गया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी के आयोजन का उद्देश्य इकाईयों द्वारा उत्पादित स्वदेशी उत्कृष्ट उत्पादों का प्रदर्शन व बिक्री का कार्य कराया जाना है। प्रदर्शनी अवधि में सांस्कृतिक कार्यक्रम सायं 6.00 बजे से 8.00 बजे तक एवं जिलाधिकारी के निर्देश पर अन्य विभागो के सेमीनार एवं कार्यक्रम प्रातः 11.00 बजे से 2.00 बजे तक आयोजित किये जाएंगे। इस अवसर पर दिगम्बर जैन कन्या इण्टर कॉलेज की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गये।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, पूर्व जिलाध्यक्ष, सहारनपुर मानवीर सिंह, ब्लाक प्रमुख रामपुर मनिहारान विजय पाल सिंह, उपायुक्त एनआरएलएम इन्द्रपाल सिंह, उप निदेशक कृषि डॉ0 राकेश कुमार, अर्थ एवं संख्याधिकारी अमित कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी नन्दलाल प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

साइबर सेल अनूपपुर और पुलिस चौकी देवहरा द्वारा करि गई त्वरित कार्रवाई

साइबर ठगी के मामले में आवेदक को 98,955/- रुपए की राशि वापस दिलाई गई

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री मोतीउर रहमान के निर्देशन में साइबर सेल अनूपपुर एवं पुलिस चौकी देवहरा थाना चचाई के स्टाफ द्वारा आवेदक आदित्य राज सिंह परिहार पिता किशोर सिंह परिहार उम्र 38 साल निवासी ग्राम पटनाकला थाना चचाई का मोटरसाइकल पल्सर का आरसी दिलाने के नाम पर 98,955/- रुपए की राशि आवेदक के खाते से फ्रॉड कर निकाल लिया गया था जिसकी शिकायत आवेदक द्वारा पुलिस चौकी देवहरा एवं साइबर सेल अनूपपुर में किया गया था जिसे साइबर सेल अनूपपुर एवं पुलिस चौकी देवहरा थाना चचाई के स्टाफ द्वारा त्वरित व मेहनत एवं लगनपूर्वक कार्यवाही करते हुए उक्त खाते को होल्ड कर दिया गया था एवं माननीय न्यायालय अनूपपुर के माध्यम से एचडीएफसी बैंक कमला मार्केट वेन नालंदा बिहार से आवेदक को 98,955/- रुपए की राशि रिफंड करने का आदेश करने पर एचडीएफसी बैंक डीडी के माध्यम से 98,955/- रुपए की राशि आवेदक को वापस दिलाई गई। उक्त कार्यवाही में उपनिरी. रंगनाथ मिश्रा चौकी प्रभारी देवहरा, प्र.आर.66 जयबहादुर सिंह व म.आर.392 आकांक्षा मिश्रा पुलिस चौकी देवहरा थाना चचाई एवं आर. राजेंद्र अहिरवार व पंकज मिश्रा साइबर सेल अनूपपुर की सराहनीय भूमिका रही।

महान शायर अल्लामा इकबाल का जन्म दिवस योम-ए-उर्दू के रूप में मनाया गया

विभिन्न स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन हुआ, छात्र-छात्राओं ने उर्दू जुबान की मिठास और खूबसूरती पर अपने ख्याल पेश किए

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

देवबंद (सहारनपुर)। सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा जैसा तराना लिखने वाले महान शायर अल्लामा इकबाल का जन्मदिवस योम-ए-उर्दू के रूप में मनाया गया। विभिन्न स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। छात्र-छात्राओं ने उर्दू जुबान की मिठास और खूबसूरती पर अपने ख्याल पेश किए। पब्लिक गर्ल्स इंटर कालेज में आयोजित हुए कार्यक्रम में छात्रा हमीदा और उमामा रूही ने तकरीर के जरीये उर्दू जुबान की अहमियत पर रोशनी डाली। तैयबा, अरीशा, आलिमा, बुशरा, सादिका, वजीहा ने तराना पेश किया। इस दौरान कालेज की प्रधानाचार्या सबा हसीब सिद्दीकी ने कहा कि उर्दू दुनिया पांचवी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली जुबान है। मदरसों से उर्दू जिंदा है और मुशायरे भी हिफाजत का काम कर रहे हैं। हम सबको उर्दू जुबान अपनानी चाहिए। संचालन जेबा और रूबीना ने किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सालेहा और खालिदा समेत स्कूल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। वही, ईदगाह रोड स्थित ड्रीम लेंड पब्लिक स्कूल में भी योम ए उर्दू पर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके अलावा बच्चों ने उर्दू जुबान में तकरीर के साथ ही खूबसूरत शेर भी सुनाए। स्कूल के मैनेजर डा. अनवर पाशा, प्रधानाचार्या नुज़हत पाशा, नबील मसूदी समेत स्कूल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठजनों के बनाएं गए आयुष्मान कार्ड

मुंदी

इन दिनों 70वर्ष या उससे अधिक आयु के बुजुर्गों के इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया चल रही हैं। कई बुजुर्ग ऐसे है। जिनके अभी तक आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए वार्ड,कार्यालय में शिविर आयोजित कर रहा है। इसी कड़ी में मुंदी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रविवार की छुट्टी वाले दिन 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। जिसमें बड़ी संख्या में आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए बुजुर्ग पहुँचे। यहा सुबह 10 बजे से बैठक रूप में कार्ड बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया था। जो दोपहर दो बजे तक चला। बीएमओ डॉ रामकृष्ण इंगला ने बताया कि 70 वर्ष और उससे अधिक आयु वाले वरिष्ठजनों के 134 आयुष्मान कार्ड बनाएं गए हैं। पुनासा ब्लॉक सहित आसपास के गांव में आशा कार्यकर्ता घर घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह पुनासा ब्लाक सहित ग्रामीण क्षेत्रों में बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए कार्य मे लगा हुआ है।

वृहद स्वास्थ्य शिविर के लिए स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों अधिकारियों की बैठक संपन्न

मुंदी

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ ओपी जुगतावत के निर्देशन में विकासखंड पुनासा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मूंदी में 1 दिसंबर को उत्कृष्ट मैदान पुनासा में होने वाले विशाल स्वास्थ्य शिविर के लिए विभाग के कर्मचारियों अधिकारियों की बैठक शनिवार को संपन्न हुई । इस बैठक में बीएमओ डॉ. रामकृष्ण इंगला ने बताया कि समस्त स्टाफ को अपने क्षेत्र में ग्राम वार मरीजों की अलग अलग बीमारी वार लाइन लिस्टिंग करने ,गंभीर बीमारियों से ग्रसित लोगों को शिविर पूर्व अवगत कराकर समय पर निशुल्क सर्जरी करवाने , आयुष्मान पात्र हितग्राहियों , चिन्हित कर्मकार मंडल,70 वर्ष से अधिक लोगो के आयुष्मान कार्ड बनाने इत्यादि के लिए निर्देशित किया गया। संभाग स्तरीय शिविर में इंदौर से आने वाले विभिन्न स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की टीम द्वारा निशुल्क इलाज एवं अन्य सेवाएं दी जायेगी। साथ ही शिविर में चिन्हित सर्जरी वाले मरीजों को तत्काल नि:शुल्क सर्जरी सुविधा भी दी जाएगी। शिविर के लिए अलग अलग विभागों माध्यमों से समन्वय कर संपूर्ण क्षेत्र में व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। बैठक में BPM सचिन जैन एवं स्थानीय स्टाफ मौजूद रहा ।

बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने सांवरिया जी पहुँच दर्शन कर सांवरिया सेठ का आशीर्वाद लिया।

शंभूपुरा।बागेश्वर धाम के प्रसिद्ध पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने रविवार दोपहर बाद कृष्णधाम सांवलियाजी पहुंचकर भगवान के दर्शन किए। जानकारी के अनुसार हेलीकॉप्टर से सांवलियाजी पहुंचे शास्त्री हेलीपैड से कार के माध्यम से सांवलियाजी मंदिर पहुंचे और मंदिर में पहुंचकर भगवान सांवलिया सेठ के दर्शन कर सर्वत्र मंगल की कामना व्यक्त की। ओसरा पुजारी रामदास वैष्णव ने तुलसी चरणामृत प्रदान किया, वहीं पर सांवलियाजी मंदिर मंडल की ओर से मंदिर मंडल सदस्य ममतेश शर्मा एवं संजय कुमार मंडोवरा और प्रशासनिक अधिकारी द्वितीय नंदकिशोर टेलर और मंदिर प्रभारी राजेंद्र शर्मा आदि ने सांवलियाजी की प्रसाद एवं उपरना भेंट कर शास्त्री का स्वागत अभिनंदन किया।

गोपाष्टमी पर गौ 56 भोग एवं गौ हवन, बाबा खाटू श्याम ज्योत, भव्य गौ आरती एवं संगीतमय सुंदरकांड का हुआ भव्य आयोजन

नानपुर- गोपाष्टमी के पावन पर्व एवं श्री राम गौशाला के स्थापना दिवस के अवसर पर श्रीराम गौशाला में गौ 56 भोग महोत्सव, गौ हवन एवं खाटू श्याम बाबा का दरबार, गौ माता की भव्य आरती एवं संगीत में सुंदरकांड का आयोजन किया गया। गोपाष्टमी के पावन पर्व पर गौशाला परिसर को दुल्हन की तरह सजाया गया, 21 गौमाताओं को रंग बिरंगी पोशाकों से आकर्षक रूप से सजाया गया। सुबह से ही बड़ी संख्या में गौ भक्तों द्वारा गौ माता का पूजन धुमधाम से कर भजन गाते हुए फेरे लगाएं। छप्पन भोग में गौ माता को 56 तरह की खाद्य सामग्री का भोग लगाया गया जिसमें 31 किलो की थूली एवं 21 किलो लंबी वायरस से बचाव हेतु आयुर्वेदिक लड्डुओं बनाए गए । शाम 7: 30 बजे गौ माता की भव्य आरती का आयोजन हुआ जिसमें नगर की जनता तथा नगरपालिक अध्यक्ष एवं जोबट विधायक श्रीमती सेना महेश पटेल भी विशेष अतिथि के रुप मे सम्मिलित हुई। समिति द्वारा विधायक श्रीमती सेना महेश पटेल एवं समय समय पर गौ माता के लिए मसूर चारा उपलब्ध करने वाले गौ भक्तों का भी सम्मान किया गया, सुबह से देर रात तक श्रद्धालुओं का आना लगा रहा । श्री राम गौशाला के अध्यक्ष सुनील राठौर द्वारा गौ 56 भोग, हवन, साज सज्जा के जजमानों तथा प्रत्यक्ष अप्रक्ष्य रूप से सहयोग करने वाले तथा खाटू श्याम कीर्तन , सुंदरकांड में सम्मिलित सभी भक्तों का आभार माना।

आंवले के पेड़ का पूजन कर अक्षय पुण्य की

महिलाओं ने सामूहिक पुजा कर लिया लाभ

बाग- कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि आंवला नवमी के पावन पर्व पर बाग नगर में बड़ी संख्या में महिलाओं ने विभिन्न स्थानों पर आंवले के पेड़ का विधि विधान से पूजन कर अक्षय पुण्य की प्राप्ति की। नगर में जिन जिन स्थानों पर आंवले के पेड़ है वहां पूजन करने हेतु बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति देखी गई। मान्यता है कि भगवान विष्णु के चार मास के शयन के दौरान आंवला नवमी को करवट बदलते है एवं देव प्रबोधिनी एकादशी को योग निद्रा से जागते हैं। नवमी तिथि से लेकर पूर्णिमा तक भगवान विष्णु आंवले के वृक्ष में निवास करते है। इस अक्षय नवमी का वही महत्व है जो वैसाख मास की अक्षय तृतीया का महत्व है। नगर के ज्योतिषाचार्य पं दिनेश जी उपाध्याय ने चर्चा मे बताया कि शास्त्रों में आंवला नवमी के दिन किए गए पुण्य कार्य कभी खत्म नहीं होते हैं। मान्यता है कि इस दिन द्वापर युग का प्रारंभ हुआ था। यह भी कहा जाता है कि आवलें के पेड़ के नीचे भोजन करने से व्यक्ति निरोग रहता है। आंवले का फल स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है इसलिए आंवले का पेड़ भी पीपल की भांति पूजनीय है। **अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है** पूजन कर रही महिला सरोज मानधन्या ने बताया कि मान्यता है कि आंवला नवमी पर्व पर किए गए सभी शुभ कार्यों का कभी भी क्षय नहीं होता। इस दिन द्वापर युग की शुरुआत हुई थी। भगवान श्री कृष्ण ने इसी दिन गोकुल की गलियों को छोड़कर मथुरा को ओर प्रस्थान किया था। इसी वजह से आज के दिन वृंदावन परिक्रमा प्रारंभ की जाती है। उन्होंने बताया कि सनातन धर्म में आंवले का पेड़ और फल दोनों पूजनीय है। आज के दिन आंवले के पेड़ के पूजन से व्यक्ति के सभी पापों का नाश होता है। इसे अक्षय नवमी भी कहते है ।

रोपा गया पौधा पेड़ बना, खुशी प्रकट की साईं सिटी कॉलोनी बाग की फुलकुंवर यादव ने खुद के लगाए गए आंवले के पौधे को वृक्ष के रूप में पूजित होते देख कर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि 12 साल पहले मेरा परिवार कॉलोनी में निवास करने आया था। तब यहां बगीचे में मैंने आंवले का पेड़ लगाया था, जो आज वृक्ष बन गया है। आज महिलाओं से इसकी पूजा होते और परिक्रमा करते देख मुझे बहुत खुशी हुई।

भगवान शालिग्राम बने वर और तुलसी माता बनी वधू, आज हुआ माताजी पूजन, देवउठनी एकादशी पर होगा

झारडा नगर में देव उठनी एकादशी पर विवाह आदि मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाएंगे इसके कुछ दिनों पूर्व वर वधु द्वारा माताजी पूजन किया जाता है लेकिन यह प्रसंग और महत्वपूर्ण बन जाता है जब भक्तजनों द्वारा भगवान का विवाह पूरे रीति रिवाज से कराया जाता है झारडा में भी भगवान शालिग्राम एवं माता तुलसी के विवाह का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आज भगवान के माता-पिता बने बाबूलाल कन्हैयालाल हाथलाखेड़ी वाला परिवार द्वारा माता पूजन,चाक, आदि की विधि की गई , लाभार्थी परिवार द्वारा बेंड बाजे, ढ़ोल आदि से भाव विभोर होकर नृत्य करते हुए जुलुस निकाला गया, दिनांक 12 तारीख को देव प्रबोधिनी एकादशी को प्रात: 9 भगवान की बारात निकाली जाएगी, बारात पालनहार विष्णु मंदिर (पाला मंदिर) से प्रारंभ होगी एवं तुलसी माता के माता-पिता बने कैलाश चंद जायसवाल परिवार के यहां पर जाएगी जहां विधिवत विवाह संपन्न कराया जाएगा दोनों परिवार इस पुनीत कार्य का आयोजन कर अपने आप को धन्य मान रहे हैं

घर घर जा कर बनाए जा रहे 70+ आयु वाले वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड

अरशद जागीरदार आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत अब सत्तर वर्ष उससे अधिक आयु वाले सभी नागरिकों को भी रुपए पांच लाख प्रतिवर्ष निशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध करवाने हेतु वरिष्ठ नागरिकों के विशेष आयुष्मान कार्ड सम्पूर्ण देश मे बनाए जा रहे हे । इसी अनुक्रम में तराना जनपद में के भी सभी ग्राम पंचायत में 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य अनुविभागीय अधिकारी श्री राजेश बोरासी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तराना श्रीमती डॉली श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में चल रहा है जिसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में घर का ग्रामीण क्षेत्र में घर-घर जाकर तथा ग्राम पंचायत स्तर पर नियमित रूप से केम्प लगा कर भी ग्राम पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायकों के द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने संबंधी कार्यवाही पूर्ण की जा रही है। श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव नोडल अधिकारी आयुष्मान अभियान जनपद पंचायत तराना के द्वारा बताया गया कि आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु आधार कार्ड अपडेट होना आवश्यक है मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तराना श्रीमती डॉली श्रीवास्तव द्वारा सभी वरिष्ठ नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे आधार कार्ड सेंटर पर जाकर अपना आधार कार्ड अपडेट कर रख कर रखें एवं ई केवाईसी भी करवा लें ताकि उनका आयुष्मान कार्ड शीघ्र बन सके अभियान अंतर्गत विगत तीन दिनों में ग्राम पंचायत कायथा में 200 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के कार्ड ग्राम रोजगार सहायक श्री हेमंत कुमार वर्मा पंचायत सचिव श्री गणपत सिंह आंजना के द्वारा बनाए गए इस कार्य में ग्राम पंचायत की सरपंच प्रतिनिधि श्री जितेन्द्र सिंह जी सिसोदिया का विशेष सहयोग रहा।

वार्डन से डर के भागे छात्र की कुएं में गिरने से मौत मेवाड़ यूनिवर्सिटी का था छात्र

शौक मौज के लिए निकलते हैं बाहर।

शंभूपुरा।गंगरार उपखंड मुख्यालय पर स्थित मेवाड़ यूनिवर्सिटी में अध्यनरत छात्र होटल में खाना खाते समय अपने हॉस्टल वार्डन को आता देख छात्रा इतना भयभीत हो गए कि खाना छोड़कर भागे चार छात्रों में से एक छात्र की कुएं में गिरने से मौत हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार रात्रि करीब 10 बजे मेवाड़ यूनिवर्सिटी में अध्ययन करने वाले छात्र जो परिसर में बने हॉस्टल में ही रहकर अध्ययन कर रहे हैं रात्रि में क्रिकेट मैदान की दीवार लांघकर मेवाड़ यूनिवर्सिटी से करीब आधा किलोमीटर दूर कॉलेज के सामने बनी एक होटल पर खाना खाने पहुंचे खाने का ऑर्डर देकर बैठे तभी हॉस्टल के वार्डन को एक अन्य व्यक्ति के साथ होटल की तरफ आता देख घबरा गए होटल के पीछे बने खिड़की से चारों छात्र खुद कर अंधेरे में इधर-उधर भाग गए, भागते समय दो छात्र साथ थे जबकि एक छात्र अकेला ही दूसरी तरफ भाग गया तीनों ने सोचा कि चौथा साथी एक दूसरे के साथ होगा आधे घंटे बाद वापस तीनों छात्र रात्रि 12 बजे पुन: होटल पर आकर चौथा साथी के बारे में होटल मालिक से पूछा पूछने पर पहले तो अभिज्ञता जाहिर की फिर कहा कि होटल के पीछे खेत में दो कुए हैं जहां देख लो कुएं के पास जाकर देखा एक चप्पल नजर आ गई जबकि दूसरी चप्पल कुएं के अंदर पानी में तैर रही थी रात्रि में ही यूनिवर्सिटी प्रबंधन एवं पुलिस को घटना की जानकारी दी गई रविवार प्रात: 8 बजे पुलिस घटनास्थल पर एवं वाइस चांसलर आलोक मिश्रा पहुंचे और चित्तौड़गढ़ व हिंदुस्तान जिंक से रेस्क्यू टीम को बुलाया गया जिन्होंने आधे घंटे के प्रयास से पानी में बलिया डालकर मृतक का शव बाहर निकाल कर गंगरार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मोर्चरी में रखवाया।थाना प्रभारी बलवंत सिंह ने बताया कि मृतक निर्भय कुमार पिता प्रभास पोद्दार उम्र 21 वर्ष निवासी पटना बिहार का रहने वाला है जो स्थानीय मेवाड़ यूनिवर्सिटी के कुंभा हॉस्टल में रहकर फार्मेसी प्रथम वर्ष का छात्र था जो रात्रि में बीबीसी होटल के पीछे खेत में बने हुए कुए के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई, शव को स्थानीय चिकित्सालय के मोर्चरी में रखवा कर परिजनों को सूचित कर दिया है, परिजनों के मंगलवार तक पहुंचने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा इधर मृतक के साथ खाना खाने आए अन्य छात्र आकाश कुमार, शिवम रोहित प्रशांत व हरबंस ने वार्डन संजय ठाकुर व यूनिवर्सिटी प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि वार्डन हमें यूनिवर्सिटी प्रबंधन पर बहुत ज्यादा डराता धमकता है जबकि पूरा पैसा वसूलने के बाद भी हमें ना तो पूरा खाना दिया जाता है ना ही खाने में कोई स्वाद होता है मजबूरन रात्रि में हमें भूख लगने पर चार दिवारी से कूदकर बाहर होटल पर खाना खाने आना पड़ता है। इधर यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष अशोक गदिया का कहना है कि हम पर लगे आरोप गलत है खाना स्वादिष्ट व भरपेट दिया जाता है, लेकिन कई छात्रों को शराब पीने व मटन चिकन खाने का शौक भी होता है जो कॉलेज में उपलब्ध कराना संभव नहीं है, इसीलिए अपने शौक मौज पूरे करने के लिए रात्रि में गैर कानूनी तरीके से दीवार लांघकर बाहर होटल पर जाते हैं जिनको रोकना संभव नहीं है।

आने वाली 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती बड़ी धूमधाम से टांडा में मनाई जाएगी - मुकामसिंह अलावा

बाग

आने वाली 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती टांडा नगर में टांडा क्षेत्र के आदिवासी समाज द्वारा बड़ी धूमधाम से जयंती मनाई जाएगी जिसको लेकर आज क्षेत्र के जनप्रतिनिधि गण एवं समाज के वरिष्ठ एवं युवा साथी बड़ी संख्या में टांडा मंडी में उपस्थित होकर बैठक की गई बैठक में उपस्थित क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य मुकामसिंह अलावा, जनपद अध्यक्ष नारायण भूरिया, विधानसभा अध्यक्ष करमसिंह मेडा, सरपंच प्यारसिंह घोडदलीया, यारसिंह अलावा, जनपद सदस्य वीरसिंह मच्छर, नूरसिंह सिंगर, जगन भाबर, विक्रम सिंगर, आदि समाज के नेता उपस्थित रहे

विधायक आक्या ने पण्डित धीरेन्द्र शास्त्री से भेंटकर लिया आर्शीवाद चित्तौडगढ़ के लोगो की समृद्धि व खुशहाली की कामना की

शंभूपुरा। भीलवाड़ा के तेरापंथ नगर छोडी हरणी में प्रसिद्ध कथा वाचक पण्डित धीरेन्द्र शास्त्री के पांच दिवसीय श्री हनुमंत कथा के दौरान रविवार को चित्तौडगढ़ विधायक चंद्रभानसिह आक्या ने सम्मिलित होकर कथा का लाभ लिया। इस दौरान विधायक आक्या ने पण्डित धीरेन्द्र शास्त्री से भेंटकर उनसे चित्तौड़गढ़ के लोगो की खुशहाली व समृद्धि की कामना करते हुए उनका आर्शीवाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पूर्व नगर परिषद सभापति सुशील शर्मा, शैलेन्द्र झंवर, एडवोकेट ओमप्रकाश शर्मा, सुदर्शन रामपुरिया आदि उपस्थित थे।

उत्सव सा रहा अधिवक्ता तंजील फारूखी का जन्म दिन

महू शनिवार दोपहर महू न्यायलय में अधिवक्ता तंजील फारूखी के जन्मदिन पर उत्सव सा माहौल रहा ! बड़ी संख्या में लोग एडवोकेट तंजील फारूखी को बधाई देने पहुंचे ! महू न्यायलय के अधिवक्ताओं की तरफ से अध्यक्ष स्वदेश पांडे जी ने भी शुभकामनाएं दी ! एडवोकेट जितेंद्र जोशी जी ने भी अपनी टेबल पर एड.सर्वेश चौरसिया, एड .उमराव सिंग मीणा, एड. भरत सिंग ठाकुर,सीनियर अधिवक्ता उमेश जी चौरसिया,शेखर जी बुंदेला , सुरेश शक्तावत, व मातृशक्ति गीता लाखवानी, वीणा पाल ,अंजू कैथवास ,आदि सभी साथियों के साथ तंजील जी को फूलों की माला पहनाकर मिठाई खिलाते हुए उनकी दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की तथा स्वल्पाहार का भी वितरण कराया !एडवोकेट तंजील जी ने अपने जन्म दिन को इस तरह यादगार मनाने के लिए सभी का धन्यवाद दिया !

वृक्ष सुरक्षा हम करें ,ये जीवन का आधार

वृक्षों के बल पर सदा, हरा भरा रहे संसार ।

पर्यावरण मित्रों ने दिव्यांग छात्रावास परिसर में किया 2 श्रमदान

रोपित पोधो को सिंचित कर 1 ट्राली से अधिक एकत्रित की गाजर घास कंटीली झाड़ियां

नीमच/ शहर को स्वच्छ सुंदर पर्यावरण युक्त प्रदूषण मुक्त बनाने हेतु संकल्पित संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था नीमच द्वारा विगत 10 वर्षों से निरन्तर अभियान चला कर शहर को स्वच्छ सुंदर पर्यावरण युक्त बनाने में जुटी हुई है अभियान के तहत संस्था सदस्यों द्वारा रविवार दिनांक 10 नवंबर 2024 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 खेल मैदान स्थित मूक बधिर/ दृष्टिबाधित/मंद बुद्धि बच्चों के आवासीय दिव्यांग छात्रावास आवासीय परिसर के पीछे लगी बेशुमार गाजर घास कंटीली झाड़ियों की साफ-सफाई कर 1 ट्राली से अधिक एकत्रित कर ढेर लगाए गए, इस अवसर पर संस्था कोषाध्यक्ष रमेश मोरे ने बताया परिसर में प्रात: । से 9 बजे तक 2 घंटे श्रमदान कर संस्था सदस्यों एवं बच्चों ने मिलकर परिसर में पुर्व रोपित पोधो के आसपास साफ-सफाई कर पोधो को पानी पिलाया इसके पश्चात कि संस्था द्वारा रोपित पोधो को वृक्ष बनने तक समय समय पर देखरेख की जाती है तब वह वृक्ष बनता है, आमजन एवं शहरवासियों को भी चाहिए कि शहर को स्वच्छ सुंदर पर्यावरण युक्त बनाने हेतु अपने घर के आगे एक पोधा रोपित कर पेड़ बनाने का संकल्प लें, इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष किशोर बागड़ी ने बताया कि शहर को स्वच्छ सुंदर बनाना हम सभी का दायित्व है, स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में नीमच शहर को अच्छी पायदान पर लाने हेतु अपने घरों के आसपास साफ-सफाई रखे गंदा कचरा एकत्रित कर नगरपालिका के कचरा वाहन में ही कचरा डाले, पोलेथिन थैलियां का पुर्ण रूप से बहिष्कार कर घरेलू सामान लाने हेतु कपड़े की थैली का उपयोग करे, इस अवसर पर संस्था के मनोनीत सचिव दुलीचंद कनेरिया ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ स्वस्थ वातावरण बने चहुंओर हरियाली के साथ आमजन एवं शहरवासियों को शुद्ध वायु आक्सीजन प्राप्त हो, अभियान में संस्था अध्यक्ष किशोर बागड़ी, सचिव दुलीचंद कनेरिया, कोषाध्यक्ष रमेश मोरे, केशव सिंह चौहान, हरीश उपाध्याय, सुकुमार आगार, अमृतलाल चौहान, दिव्यांग छात्रावास के शिक्षक मदनलाल यदुवंशी, प्रकाश दायमा, गोपीलाल मालवीय एवं बच्चों ने भी 2 घंटे श्रमदान कर सहभागिता निभाई उक्त जानकारी संस्था संयुक्त सचिव केशव सिंह चौहान ने दी है,

कक्षा-6 से 8 तक के स्कूलों में माह में कम से कम एक शनिवार को होगा बैगलेस-डे

बैगलेस-डे में विभिन्न गतिविधियों के साथ बच्चों का बढ़ाया जायेगा कौशल

इंदौर प्रदेश में कक्षा-6 से 8 तक पढ़ने वाले बच्चों का समग्र विकास हो, इसके लिये बैगलेस-डे के दिन बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करने का निर्णय स्कूल शिक्षा विभाग ने लिया है। इस दिन बच्चों के बीच पढ़ाई के अलावा विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं व्यावहारिक गतिविधियाँ की जायेंगी। इस संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र ने जिला शिक्षाधिकारियों और जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश जारी किये हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में यह प्रावधान रखा गया है कि स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे 21वीं सदी के कौशल से परिचित हो सकें, इसके लिये कक्षा-6 से 8 तक के स्कूल के बच्चों के लिये प्रत्येक माह में न्यूनतम एक शनिवार को बस्ते-विहीन दिवस का आयोजन हो। इन दिवसों में विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल की जानकारी दी जाये। बैगलेस-डे के लिये शाला के प्राचार्य एवं शिक्षकों को चर्चा कर गतिविधियों का कैलेण्डर तैयार करने के लिये भी कहा गया है। गतिविधियों की जानकारी एचडी जिओ टैगी फोटोग्रॉफ'' राज्य शिक्षा केन्द्र के ई-मेल आईडी rsk.curriculum@gmail.com पर भेजने के लिये कहा गया है। बैगलेस-डे का उद्देश्य विद्यार्थियों को सफल, नवाचारी और जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करना है। इसी के साथ विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, साक्ष्य आधारित सोच और रचनात्मकता का विकास करना है। विद्यार्थियों में संवाद, विचार अभिव्यक्ति, स्वास्थ्य एवं पोषण, खेल सहयोग की भावना एवं नेतृत्व गुण के साथ भारतीय ज्ञान परम्परा और पर्यावरणीय चेतना का विकास करना प्रमुख है।

बैगलेस-डे में होने वाली गतिविधियाँ राज्य शिक्षा केन्द्र ने बैगलेस-डे में होने वाली गतिविधियों के संबंध में भी दिशा-निर्देश जारी किये हैं। ऑर्ट और क्रॉफ्ट में बच्चों के बीच में ड्राइंग, पेंटिंग, मिट्टी के खिलौनों का निर्माण, मुखौटे, डॉल-मेकिंग और अनुपयोगी सामग्री से वस्तुओं का निर्माण प्रमुख है। साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में बच्चों के बीच लोकगीत-नृत्य, लघु नाटिका, कविता पाठ, कहानी लेखन गतिविधियाँ की जायें। बच्चों को खेती की आधुनिक पद्धतियों की जानकारी हो सके, इसके लिये पॉलीफॉर्मिंग, ऑर्गेनिक फॉर्मिंग, औषधीय पौधों की जानकारियाँ और खेती में उपयोग होने वाले आधुनिक उपकरणों की जानकारी दी जाये। साथ ही स्थल भ्रमण भी कराया जाये। बच्चों को ऐतिहासिक स्थलों, लघु उद्योग व्यवसाय, जिनमें मधुमक्खी-पालन, मुर्गी एवं मछली-पालन इत्यादि की जानकारी दी जाये। बच्चों को स्थानीय बैंक, पुलिस थाना, अस्पताल और अनाज मण्डी का भ्रमण कराया जाये। बच्चों को हथकरघा, खिलौने निर्माण जैसी इकाइयों का भ्रमण कराया जाये। इसी के साथ बच्चों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण की जानकारी देने के साथ खेल गतिविधियाँ भी करायी जायें।

करणी सेना की क्षत्रानियों का दिपावली मिलन समारोह कार्यक्रम का सफल आयोजन

महू महू शनिवार दोपहर श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना मध्य प्रदेश महिला इकाई द्वारा क्षत्रानीयो का मिलन समारोह ओर दिपावली मिलन समारोह का कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष बिंदु दिलीप सिंग के नेतृत्व में उत्तम वाटिका में रखा गया ! जिसमें हिंदू वीर अमर शहीद सुखदेव सिंह गोगामेडी जी की धर्मपत्नी , राष्ट्र कार्यकारी अध्यक्ष श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेवा की श्रीमती शीला सुखदेव सिंह गोगामेडी जी अपने साथी कार्यकर्ताओं के साथ महू पहुंची ,जहां उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया की राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना का एक ही नारा है एक रहो नेक रहो और बटोगे तो कटोगे महू के प्रथम आगमन ओर दीपावली मिलन के कार्यक्रम पर उन्होंने बताया की 5 दिसंबर को हिंदू वीर गोगामेडी की प्रथम पुण्य तिथि है जिनकी मूर्ति स्थापना के साथ साथ एक भव्य मंदिर का निर्माण भी किया जा रहा है ! इसलिए दीपावली मिलन के साथ साथ वो सबको आमंत्रण भी देने आए है ! प्रदेश अध्यक्ष बिंदु दिलीप सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की ओर सभी छत्रानियों को पढ़ाई , राजनैतिक , सांस्कृतिक , सामाजिक गतिविधियों में आगे बढ़कर हिस्सा लेने को कहा ताकि अन्य महिलाओं को भी उनसे प्रेरणा मिल सके और समाज तथा देश मजबूत हो सके ! म्यान में से तलवार निकालते हुए सभी छात्रोनियों ने सिंहनी सी दहाड़ते हुए तेज स्वर में नारे लगाए एरो की ना गैरों ,की करणी शेरों की जिससे पूरा माहौल गूंज उठा सभी में एक नहीं ऊर्जा ओर उमंग का विकास हुआ ! छात्रोनियों ने मिलकर इस कार्यक्रम को यादगार बना दिया जो की महू के लिए एक गौरव का विषय रहा ! कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा पत्रकार स्वप्निल सोलंकी , संदीप सभरवाल , राजेश पिल्लै का भी स्वागत हुआ ! महासभा के अंत में आभार राहुल राजपूत और राजवर्धन सिंग दरबार ने माना ! सहभोज के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ !

अध्यक्ष नारायण सोमानी ग्राम मेवासा में माहेश्वरी समाज के नराणीवाल परिवारजनो के सौजन्य से इस 37वॉ. वर्ष भी लक्ष्मीनाथ भगवान मंदिर पर आयोजित अन्नकुट महोत्सव एवं महाप्रसादी में हुए शामिल, हिंदूवादी नेता सोमानी ने दर्शन करके क्षेत्र की सुख, शाति की कामना की

जावद । दीपोत्सव के प्रश्चात नगर एवं आसपास क्षेत्र में अन्नकूट महोत्सव मनाए जाने का क्रम निरंतर जारी है। शनिवार को समीप राज्य राजस्थान के निम्बाहेडा तहसील के अंतगर्त आने वाला ग्राम मेवासा में प्रतिवर्षानुसार इस 37वॉ. वर्ष भी माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सत्यनारायण नराणीवाल, बद्रीलाल नराणीवाल, ओमप्रकाश नराणीवाल, गोपाल कृष्ण नराणीवाल, रामजस नराणीवाल, रामकुंवार नराणीवाल, आनंदराम नराणीवाल, पुरणमल नराणीवाल, जमनालाल नराणीवाल, मनोहरलाल नराणीवाल, गोपाल नराणीवाल, बद्रीलाल नराणीवाल, हरीश कुमार नराणीवाल, आशीष नराणीवाल, कृष्ण कुमार नराणीवाल, दीनदयाल नराणीवाल, नीरज नराणीवाल, अंकित नराणीवाल, अमित नराणीवाल मेवासा, आरणी परिवारजनो के सौजन्य से गोपाष्टमी के पावन पर्व पर अपने निज मंदिर 150 वर्षो से भी अधिक पुराना श्री श्री 1008 लक्ष्मीनाथ मंदिर पर विराजित भगवान का आकर्षण श्रृंगार करके अलग अलग व्यंजन बनाकर 56 प्रकार का भोग लगाकर घंटे घडियाल, ढोल ढमाको की थाप पर महाआरती करके प्रसाद वितरित किया गया। मधूर मधूर भजनो पर परिवारजन एवं पूरा ग्राम भक्तिभाव से झूम उठा। प्रेस क्लब अध्यक्ष एवं हिंदूवादी नेता नारायण सोमानी, मुकेश राठी मालक पहुंचकर भगवान के दर्शन करके महाप्रसादी में शामिल हुए साथ ही सभी को दीपावली की शुभकामनाए दी। अन्नकूट महोत्सव महाप्रसादी के साथ एतिहासिक तौर पर सम्पन्न हुआ। मंदिर परिसर को फुलो व विद्युत साज सज्जा से सजाया गया। महाप्रसादी में प्रेस क्लब अध्यक्ष नारायण सोमानी, मुकेश राठी मालक सहित जावद, मेवासा, आरणी, केली, अरनोदा, अठाना, कनेरा, निम्बाहैडा, चित्तोडगढ सहित आस पास क्षेत्रो के भक्तजन महिला, पुरूष मौजूद

हमारे अध्यक्ष हमारा स्वाभिमान प्रेस क्लब राऊ

इंदौर हीरा मुख से कब कहे लाख टके मेरा मोल ये कहावत मदन सवार जी पर सटीक बैठती है , राऊ शहर के मदन सवार जी अपनी खुद्दारी और अपने स्वाभिमान के लिए जाने जाते हैं व्यक्तित्व के धनी श्री मदन सवार जी ने अपने जीवन काल में कभी भी अपनी कलम ओर जीवन के सिद्धांतों का सौदा नहीं किया ! सादगी और विचारों की गहराई की पराकाष्ठा है मदन जी !अपनी कलम से गागर में सागर भरने वाले मदन जी खुद में ही पत्रकारिता का विश्वविद्यालय है ! नेताओं में यदि जीतू पटवारी की साइकल चलती है तो पत्रकारों में हमारे आदर्श हमारे स्वाभिमान मदन दादा की साइकल चलती है जो लोगों से उनके दुख दर्द और समस्याओं को जानकर अपनी कलम से उनके लिए लड़ते आए है ! राऊ प्रेस क्लब के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार मदन सवार जी पिछले 45 वर्षों से पत्रिका जगत में अपनी सेवाएं दे रहे हैं , मदन जी आज भी अपने साइकिल पर ही जीवन की यात्रा और कार्य को अंजाम देते हैं ! जिनकी कर्मठता, जुनून के तमाम नेता व समाज सेवी कायल हैं और श्री मदन सवार ने राऊ नगर ही नहीं अपितु समूचे क्षेत्र में एक अलग ही नाम और पहचान बनाई है ।राऊ के एक छूटभय्या नेता महेश गहलोत जो बिना जनाधार के नेता बने है ! कुछ दिन पूर्व उनके समक्ष आंचलिक क्षेत्र के पत्रकारों को लिफाफेबाज और दो सो , तीन सो रुपए में खबर लिखने वाला कहकर समूचे पत्रकारिता जगत पर उंगली उठा दी जिससे आज उनका मन शोक ओर दुख से भर गया ! प्रशासन से प्रेस क्लब राऊ ये आग्रह करेगा कि पत्रकारों के अपमान में बोले गए शब्द महेश गेहलोत वापस ले ओर सार्वजनिक रूप से मीडिया के सामने आकर माफी मांगे ऐसा न करने कर पुलिस प्रशासन द्वारा उक्त नेता पर कार्यवाही हो !

अन्नकूट महोत्सव सामाजिक समरसता का बड़ा उदाहरण : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

शनि नवग्रह मंदिर उज्जैन में आयोजित अन्नकूट महोत्सव को मुख्यमंत्री डॉ यादव ने वर्चुअली किया संबोधित

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शनि नवग्रह मंदिर उज्जैन में आयोजित अन्नकूट महोत्सव को शनिवार को वर्चुअली संबोधित करते हुए सामूहिक भोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता के निर्माण में इसकी अहम भूमिका है। सामूहिक भोजन से स्वयं के अहंकार का नाश होता है और ऐसा आयोजन यदि मंदिर में हो तो यह सोने में सुहागा के समान होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को मिलकर आने वाले समय में सिंहस्थ की तैयारी करना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अन्नकूट महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि नवग्रह शनि मंदिर गहरी आस्था का केंद्र है। इसका उल्लेख शास्त्रों में भी मिलता है। यह मंदिर तीर्थ भूमि उज्जैन के लिए एक पौराणिक धरोहर होने के साथ यहां शनिचरी अमावस्या के साथ-साथ कुंभ मेले में लाखों शनि भक्त स्नान कर दर्शन कर लाभ लेते हैं। नवग्रह शनि मंदिर के कार्यक्रम में महंत श्री श्याम बाबा राधे राधे श्री हरि नंदन स्वामी, स्वामी नारायण आश्रम, नवग्रह शनि मंदिर के पुजारी श्री शैलेंद्र त्रिवेदी, उज्जैन नगर निगम की सभापति श्रीमती कलावती यादव, श्री रवि सोलंकी, श्री राम सिंह जादौन तथा शनि मंदिर प्रबंध समिति के सदस्य श्री वीरेंद्र आंजना सहित अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के संकल्प से रोजगार सृजन को नई दिशा

एकीकृत समग्र पोर्टल के निर्माण की पहल

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा और उनके मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में रोजगार और स्व-रोजगार सृजन को गति देने के लिए एकीकृत समग्र पोर्टल का निर्माण किया जा रहा है। इस संकल्प का उद्देश्य रोजगार एवं स्व-रोजगार से जुड़ी समस्त योजनाओं को एक मंच पर लाकर युवाओं, महिलाओं, किसानों और उद्यमियों को एक सुलभ और एकीकृत समाधान प्रदान करना है। इस दिशा में विगत दिवस संत शिरोमणि ग्लोबल स्किल्स पार्क में सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार श्री रघुराज राजेंद्रन की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें रोजगार और स्व-रोजगार से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 19 अक्टूबर 2024 की समीक्षा बैठक में सभी विभागों को अपने रोजगार एवं स्व-रोजगार से संबंधित पोर्टल्स को राज्य एवं केंद्र सरकार की योजनाओं से जोड़ने और उन्हें हर्ष पोर्टल से इंटीग्रेट करने के निर्देश दिए थे, जिसके अनुपालन में शीघ्र ही समग्र पोर्टल बनाया जाएगा। इस समग्र पोर्टल के माध्यम से योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी, जिससे रोजगार सृजन के अवसरों को प्रदेश भर में सरलता से प्रचारित और सुलभ बनाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से इस पहल का उद्देश्य न केवल जनता के लिए रोजगार विकल्पों की उपलब्धता बढ़ाना है, बल्कि विभागीय समन्वय को भी सुदृढ़ करना है, जिससे युवा वर्ग को रोजगार और स्व-रोजगारसे जोड़कर प्रदेश की आर्थिक प्रगति हो और आत्म-निर्भरता की दिशा में सार्थक कदम उठाए जा सकें।

आइये डेंगू के खिलाफ मिलकर लड़ाई लड़ें उपचार से बचाव बेहतर है

उज्जैन, । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा बताया गया कि, वर्तमान में डेंगू एडीज मच्छर के काटने से होता है, यह मच्छर दिन में काटता है। डेंगू के अधिकांश मामले पूरी तरह से ठीक हो जाते है और उनका प्रबंधन घर पर भी किया जा सकता है। डेंगू मलेरिया के बचाव व नियंत्रण हेतु अपने घर परिसर और आसपास पानी इकट्ठा न होने दें। अपने घर के सिंक, गमले, हौज आदि में साफ-सफाई रखें। इसके साथ ही घरों की छतों पर अटाला या गंदगी न होने दें। डेंगू मलेरिया फैलाने वाले मच्छर कहीं पैदा होते है-छत पर रखी पानी की खुली टंकियां। टूटे बर्तन, मटके, कुल्हड़, गमलों में एकत्र जल में। बेकार पड़े हुए टायरों में एकत्र जल में। बिना ढके बर्तनों में एकत्र जल में। कूलर में एकत्र जल में। किचन गार्डन में रूका हुआ पानी। गमले, फूलदान, सजावट के लिए बने फव्वारे में एकत्र जल मे। ऐसे करें बचाव डेंगू से बचावडेंगू फैलाने वाले मच्छर रुके हुए पानी में पनपते हैं। इससे बचने के लिए टायर, प्लास्टिक कवर, फूल के बर्तन, पालतू जानवरों के पानी के कटोरे आदि जैसी चीजों को ढकें। इन मच्छरों के प्रजनन के लिए उपलब्ध आवास को कम करने (स्थिर पानी को खाली करने से) से डेंगू बुखार की रोकथाम में सहायता मिल सकती है। विशेष रूप से घनी आबादी और भीड़ वाले स्थानों में मच्छर निरोधकों का उपयोग करने से मच्छरों को आपसे दूर रखने में मदद मिल सकती है। कुछ क्षेत्रों की यात्रा करते समय, और यहां तक कि जब आप घर पर तो भी अपनी त्वचा पर मच्छर प्रतिरोधी क्रीम लगाएं। मच्छरों के काटने से बचने के लिए लंबी बाजू के कपड़े और मोटे पैंट, मोजे और सुरक्षित जूते पहनें। डेंगू बुखार की रोकथाम के आपके प्रयास में, मच्छरदानी के नीचे सोने से आपको मच्छरों के काटने से सुरक्षा मिल सकती है। रुके हुए पानी में मच्छर पनपते हैं। फूलों के बर्तनों को खाली करें, अपने पालतू जानवर के पानी के कटोरे को साफ करें और बदलें, अपने घर के अंदर किसी भी पानी के पौधे को रखने से बचें, सुनिश्चित करें कि पानी से भरा हुआ हर बर्तन ढका हुआ हो।

डेंगू के सामान्य लक्षण *तेज बुखार, सिर दर्द, मांसपेशियों या जोड़ों में दर्द, जी मिचलाना, उल्टी आना, आँखों में दर्द होना, विभिन्न अंगों में सूजन, डेंगू के गंभीर लक्षण, गंभीर पेट दर्द, लगातार उल्टी होना, मसूड़ों या नाक से खून आना, मल या उल्टी में खून आना, तेजी से सांस लेना, थकान, बैचैनी, त्वचा के नीचे ब्लीडिंगइनमें से 2 या अधिक लक्षण दिखाई देने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कई बार प्लेटलेट्स कम होने पर यह बुखार खतरनाक हो जाता है। मरोज की जान भी जा सकती है।*

मल्हारगढ़ भाजपा मंडल की संगठन पर्व की कार्यशाला हुई संपन्न

मल्हारगढ़-- भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा बीडी शर्मा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा सांसद सुधीर गुप्ता राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया महामंत्री राजेश दीक्षित के निर्देशानुसार संगठन पर्व 2024 के तहत मल्हारगढ़ भारतीय जनता पार्टी मंडल कि संगठन आत्मक कार्यशाला डॉक्टर भीमराव अंबेडकर मांगलिक भवन मल्हारगढ़ में जिला अध्यक्ष नानालाल जी अटोलिया संगठन चुनाव प्रभारी संजय मुरडीया मल्हारगढ़ मंडल भाजपा प्रभारी नरेंद्र पाटीदार जिला मंत्री कृष्ण पाल सिंह शक्तावत मंडल अध्यक्ष जितेंद्र जाट जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि कन्हैया लाल पाटीदार के अतिथि में संपन्न हुई अतिथियों जिला अध्यक्ष नानालाल अटोरिया संगठन प्रभारी संजय मुरडीया मंडल प्रभारी नरेंद्र पाटीदार ने उपस्थित भाजपा के अपेक्षित वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि शीर्ष नेतृत्व के निर्देश अनुसार हमें संगठन के चुनाव करवाना है बूथ अध्यक्ष एवं महामंत्री बी एल ओ एवं कार्यकारिणी में 11 सदस्य लेना है उसमें तीन महिलाएं लेना आवश्यक है इस प्रकार से मल्हारगढ़ मंडल के सभी चोपन बूथों पर चुनाव हमें 14 नवंबर से लगाकर 20 नवंबर 2024 तक सभी बूथों के चुनाव लोकतंत्र प्रणाली से करवाना है जहां समन्वय ना हो उस बूथ वहां पर से तीन नाम की पैनल बनाकर मंडल कार्यालय को भेजना है स्वागत भाषण भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र जाट ने दिया और मंडल के संगठन चुनाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी सर्वप्रथम अतिथियों ने पंडित दीनदयाल जी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया दीप प्रचलित कर अगरबत्ती लगाकर संगठन पर्व कार्यशाला का शुभारंभ किया अतिथियों का एवं मल्हारगढ़ मंडल के बूथों का चुनाव कराने के लिए चुनाव प्रभारी जो पधारे बुढा मंडल से पधारे उनका भी स्वागत भाजपा का दुपट्टा उड़कर मंडल के मडल मल्हारगढ़ के पदाधिकारी ने किया बैठक में मल्हार मंडल भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एव सदस्य शक्ति केंद्र के संयोजक सह संयोजक प्रभारी समस्त मोर्चा के अध्यक्ष सभी स्थानीय जनप्रतिनिधि नगर परिषद अध्यक्ष उपाध्यक्ष सभापति पार्षद जनपद अध्यक्ष उपाध्यक्ष जनपद प्रतिनिधि सरपंच संगठन पर्व के सहयोगी कार्यकर्ता मल्हारगढ़ एवं नारायणगढ़ नगर भाजपा के अध्यक्ष एवं महामंत्री भी उपस्थित

तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास, ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने में अग्रणी

1 जनवरी से मंत्रालय में मैनुअल फाइलें होंगी बंद, पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम

उज्जैन । मध्यप्रदेश के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग ने डिजिटल कार्यप्रणाली में 100 प्रतिशत ई-ऑफिस प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू करके एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। सचिव श्री रघुराज राजेंद्रन ने बताया कि ई-ऑफिस प्रणाली में अब मंत्री स्तर तक सभी फाइलें और दस्तावेज डिजिटल प्रारूप में संचालित होंगे, जिससे कार्यप्रणाली में पारदर्शिता भी और भी गति आएगी। इसमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित होगी। सरकार ने निर्णय लिया है कि 1 जनवरी 2025 से मंत्रालय में मैनुअल फाइलों का प्रयोग पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। ई-ऑफिस प्रणाली के लागू हो जाने से कागज की खपत में कमी आएगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी। सरकार की यह पहल राज्य में न केवल आधुनिक प्रशासनिक बदलाव लाएगी, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में भी सहायक सिद्ध होगी। ई-ऑफिस प्रणाली से फाइलों की डिजिटल रूप में निगरानी की जाएगी, जिससे कार्य में देरी करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जा सकेगी। इस प्रणाली के लागू होने से मंत्रालय स्तर पर फाइलों का संचालन अधिक सुगम और तेज़ होगा। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग ने यह पहल कर अन्य विभागों के लिए एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह कदम एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिससे राज्य में कागज के उपयोग में भारी कमी आएगी। ई-ऑफिस प्रणाली को तीन चरणों में लागू किया जा रहा है, जिसमें पहले चरण में मंत्रालय स्तर पर 1 जनवरी से कार्यान्वयन होगा, दूसरे चरण में संचालनालयों में, और तीसरे चरण में जिलों में इसे अपनाया जाएगा। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को ई-ऑफिस के माध्यम से प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई गई है, ताकि इस नई प्रणाली को सुगमता से अपनाया जा सके। तकनीकी शिक्षा विभाग की यह पहल न केवल प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्पूर्ण कदम है।

दान किया 2,645 लीटर ब्रेस्ट मिल्क

36 वर्षीय अमेरिकी महिला ने बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

इंटरनेशनल डेस्क. एक अमेरिकी महिला ने स्तन दूध दान करके एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक, टेक्सास की 36 वर्षीय एलिस ओगलेट्री ने अब तक का सबसे ज्यादा व्यक्तिगत स्तन दूध दान किया है। उन्होंने 2,645.58 लीटर दूध दान किया, जो किसी महिला द्वारा दान किया गया अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

एलिस ओगलेट्री ने इससे पहले 2014 में भी विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जब उन्होंने 1,569.79 लीटर दूध दान किया था। रिपोर्ट के अनुसार, ओगलेट्री ने अपना दूध नॉर्थ टेक्सास के %मदर्स मिल्क बैंक% को दान किया। यह मिल्क बैंक समय से पहले जन्म लेने वाले बच्चों के लिए स्तन दूध इकट्ठा करता है, जिससे उन्हें जरूरी पोषण मिल सके।

मिल्क बैंक के अधिकारियों के अनुसार, एक लीटर स्तन दूध 11 प्री-मैच्योर (समय से पहले जन्मे) बच्चों को पोषण देने के लिए पर्याप्त होता है। ओगलेट्री के द्वारा दान किए गए दूध से अब तक करीब 3.50 लाख शिशुओं को मदद मिल चुकी है।

मिल्क बैंक के एक अधिकारी ने कहा- दुनिया भर में कई महिलाएं ऐसे हालात से गुजर रही हैं, जहां प्रसव के बाद उनका दूध नहीं बन पाता। ऐसे में स्तन दूध दान कई शिशुओं के लिए जीवनदायिनी साबित हो सकता है।

दूध दान की शुरुआत कैसे हुई?

एलिस ओगलेट्री ने दूध दान करना 2010 में अपने पहले बच्चे के जन्म के बाद शुरू किया था। उन्होंने बताया कि जब उनके पहले बच्चे का जन्म हुआ, तो अन्य सामान्य महिलाओं के मुकाबले उनका दूध बहुत अधिक बन रहा था। पहले वह इसे फेंक देती थीं, लेकिन बाद में अस्पताल की एक नर्स ने उन्हें दूध दान करने के बारे में बताया, जिसके बाद उन्होंने इसे दान करना शुरू किया।

एलिस ओगलेट्री के मुताबिक, मैं बहुत अमीर नहीं हूं, लेकिन मेरा दिल बड़ा है। मैं समाज सेवा के लिए बार-बार पैसे नहीं दे सकती, लेकिन जो मुझे वशस्त्र ने दिया है, वह दान कर सकती हूं। दूध दान करने से उन्हें संतुष्टि मिलती है और यह एक अच्छा विकल्प लगता है। ओगलेट्री अब तक मिल्क बैंक के अलावा अपनी दोस्तों को भी दूध दान कर चुकी हैं।

स्तन दूध के फायदे

चिकित्सकों के अनुसार, बच्चे के जन्म के पहले छह महीने तक स्तन दूध बहुत जरूरी होता है क्योंकि इसमें प्रचुर मात्रा में पोषक तत्व होते हैं, जो बच्चे के विकास के लिए बेहद लाभकारी होते हैं। ओगलेट्री के दूध दान से न केवल समय से पहले जन्मे बच्चों को पोषण मिलता है, बल्कि यह समाज में एक सकारात्मक संदेश भी फैलाता है कि अगर इंसान दिल से दान करने का इच्छुक हो, तो किसी भी समस्या का समाधान किया जा सकता है।

यूक्रेन युद्ध समाप्ति के लिए ट्रंप ने पुतिन से फोन पर की बात

इंटरनेशनल डेस्क अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की और यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने सहित कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। रविवार को एक मीडिया रिपोर्ट से यह जानकारी मिली। हाल में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने 70 से यादा विश्व नेताओं से बात की है। इनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू शामिल हैं। 'वाशिंगटन पोस्ट की एक विशेष रिपोर्ट में कहा गया है, ''दोनों नेताओं ने यूरोप महाद्वीप में शांति के लक्ष्य को लेकर चर्चा की और ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध के शीघ्र समाधान पर चर्चा करने के लिए आगामी बातचीत में शामिल होने में अपनी रुचि व्यक्त की।

अखबार ने कहा, ''पुतिन के साथ ट्रंप की फोन पर हुई बातचीत से अवगत एक पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ट्रंप संभवत: रूस के आक्रमण के कारण यूक्रेन में फिर किसी नए संकट के साथ व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक कार्यालय एवं आवास) में जाना नहीं चाहते हैं। ट्रंप 20 जनवरी 2025 को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने वाले हैं। यूक्रेन को ट्रंप-पुतिन की फोन पर हुई बातचीत के बारे में सूचित कर दिया गया है।'वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ''ट्रंप ने फ्लोरिडा स्थित अपने रिजॉर्ट से पुतिन के साथ यह बातचीत की। दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत से अवगत व्यक्ति ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि ट्रंप ने इस बातचीत के दौरान रूसी राष्ट्रपति को यूक्रेन में युद्ध को और नहीं बढ़ाने की सलाह दी तथा उन्हें यूरोप में वाशिंगटन की बड़ी सैन्य उपस्थिति की याद दिलाई।

इस बीच, ट्रंप के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने कहा कि वह नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप और अन्य विश्व नेताओं के बीच निजी स्तर पर हुई बातचीत के बारे में कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। चेउंग ने कहा, ''नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐतिहासिक चुनाव में निर्णायक जीत हासिल की है और दुनिया भर के नेता जानते हैं कि अमेरिका विश्व मंच पर वर्चस्व हासिल करेगा। यही कारण है कि नेताओं ने 45वें और 47वें राष्ट्रपति के साथ मजबूत संबंध विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, क्योंकि वह वैश्विक शांति और स्थिरता का प्रतिनिधित्व करते हैं।

नेतन्याहू ने पहली बार कबूला- इजरायल ने ही किए लेबनान पर पेजर अटैक

यरुशलम- इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण बयान में स्वीकार किया है कि सितंबर में लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ हुए पेजर विस्फोटों के पीछे इजरायल की संलिप्तता थी। यह जानकारी रविवार को हुई साप्ताहिक कैबिनेट बैठक के दौरान आई, जिसमें नेतन्याहू ने इस ऑपरेशन का जिक्र किया। सितंबर में, लेबनान में हिजबुल्लाह लड़ाकों के हजारों पेजर एक साथ विस्फोट कर गए थे, जिसके चलते लगभग 40 लोग मारे गए और 3000 से अधिक लोग घायल हुए थे। अगले दिन, वॉकी-टॉकी उपकरणों में भी विस्फोट हुए थे, जिसे हिजबुल्लाह ने इजरायल की कार्यवाही करार दिया।

हालाँकि, इजराइल ने कभी खुले तौर पर इस ऑपरेशन की जिम्मेदारी नहीं ली थी, जिससे यह बयान महत्वपूर्ण है। बैठक के दौरान, नेतन्याहू ने कहा, पेजर ऑपरेशन और (हिजबुल्लाह नेता हसन) नसरल्लाह का सफाया, रक्षा प्रतिष्ठान के उच्च अधिकारियों और राजनीतिक स्तर पर इसके खिलाफ रहने के बावजूद किया गया। उनके इस बयान को इजरायली मीडिया में पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट की आलोचना के रूप में देखा गया है, जिन्हें नेतन्याहू ने हाल ही में अपने पद से हटा दिया था।

नेतन्याहू के इस खुलासे का संबंध इजरायल में हाल के राजनीतिक तनावों से भी है। इजरायल की सरकार विभिन्न जांचों का सामना कर रही है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय मीडिया को कथित रूप से झूठी खुफिया रिपोर्ट लीक करने का मामला भी शामिल है। इसके साथ ही, एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी को ब्लैकमेल करने के मुद्दे में इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रमुख सहायक का नाम सामने आया है।

कविताओं से हो रहा मानसिक स्वास्थ्य का इलाज, लंदन में खुली पोएम फॉर्मेसी

इंटरनेशनल डेस्क. आजकल मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं जैसे उदासी, एंग्जाइटी (चिंता) और अकेलापन का इलाज सिर्फ दवाइयों से नहीं, बल्कि कविताओं से भी हो रहा है। यह सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन यह बिल्कुल सच है। लंदन में एक नई पहल शुरू की गई है, जिसे पोएम फॉर्मेसी कहा जाता है। यहां लोग मानसिक परेशानियों से उबरने के लिए कविताओं का सहारा ले रहे हैं।

क्या है पोएम फॉर्मेसी?

पोएम फॉर्मेसी एक विशेष प्रकार की फॉर्मेसी है, जहां लोग दवाइयों के बजाय कविताओं की किताबें पढ़ते हैं। एक-दूसरे को सुनाते हैं और कविताओं के बारे में बातचीत करते हैं। यह फॉर्मेसी दो महीने पहले बुजुर्गों के लिए शुरू की गई थी, लेकिन अब यहां युवा भी बड़ी संख्या में आने लगे हैं। कई युवा तो यहां खुद कविताएं लिखने लगे हैं। फॉर्मेसी की संस्थापक डेब अल्मा एबुलियंस नामक संस्था की प्रमुख हैं। वह कहती हैं कि कविता एक ऐसी कला है, जो मन की गहरी अवस्था में विकसित होती है। चाहे वह खुशी हो या फिर उदासी, दर्द या दु:ख। कविताएं ट्रॉमा (आघात) से बाहर निकालने में मदद कर सकती हैं।

इस फॉर्मेसी की टेबलों पर रखी बोतलों पर भी कविताएं लिखी हुई होती हैं, जो आने वालों के लिए एक तरह से मानसिक राहत का जरिया बनती हैं। इस फॉर्मेसी में केवल कविताएं ही नहीं, बल्कि दर्शनशास्त्र और मनोविज्ञान की किताबें भी रखी जाती हैं। यहां आने वाले लोग अपनी मानसिक समस्याओं जैसे अकेलापन, तनाव और एंग्जाइटी (चिंता) से निपटने के लिए कविताओं का सहारा लेते हैं। वे एक-दूसरे से कविताएं साझा करते हैं और एक-दूसरे के अनुभवों को सुनकर अपने दर्द और तनाव को कम महसूस करते हैं।

यहां के लोग अब अकेलेपन से जूझने के बजाय एक-दूसरे से जुड़ने लगे हैं। वे कविताओं के जरिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हैं, जिससे उनका मानसिक बोझ हल्का हो रहा है। इसके साथ ही वे एंग्जाइटी और चिंता जैसी समस्याओं से भी उबरने लगे हैं।

सामाजिक और मानसिक लाभ

पोएम फॉर्मेसी का उद्देश्य केवल मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना नहीं, बल्कि समाज में एक दूसरे से जुड़ने की भावना को भी बढ़ावा देना है। यहां लोग अपने अनुभव साझा करते हैं, जिससे वे अकेले नहीं महसूस करते। साथ ही यह मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं को खुलकर चर्चा में लाने और उपचार के नए तरीके खोजने में भी मदद कर रहा है। यह पहल यह भी दर्शाती है कि कविता केवल एक साहित्यिक कला नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली मानसिक उपचार का भी साधन हो सकती है। अगर लोग सही तरीके से इसका उपयोग करें, तो यह जीवन में मानसिक शांति और संतुलन ला सकती है।

मॉस्को पर यूक्रेन का बड़ा ड्रोन हमला कई हवाई अड्डों को किया गया बंद

कीव: यूक्रेन ने 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से मॉस्को पर अपना सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। रविवार को कम से कम 34 ड्रोन ने रूसी राजधानी को निशाना बनाया। इस हमले ने रूस की राजधानी में अफरातफरी मच गई, जिसके कारण मॉस्को के तीन हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा और कम से कम पांच लोग घायल हो गए।

रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार कि हमले के कारण मॉस्को क्षेत्र के स्टैनोवॉय गांव में दो घरों में आग लग गई, जिसमें एक 52 वर्षीय महिला को जलने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस हमले के बाद मॉस्को के हवाई अड्डों-डोमोडेडोवो, शेरेमेतियोवो और जुकोवस्की-ने कम से कम 36 उड़ानों को डायवर्ट किया, लेकिन कुछ ही समय बाद परिचालन फिर से शुरू हो गया।

इससे पहले, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर कोरिया के साथ शनिवार रात एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत, अगर उनमें से किसी पर भी हमला होता है तो दोनों देश ''सभी साधनों का उपयोग करके तत्काल सैन्य सहायता प्रदान करेंगे। यह समझौता शीत युद्ध की समाप्ति के बाद मॉस्को और प्योंगयांग के बीच सबसे मजबूत संबंध को दर्शाता है।

इस सप्ताह की शुरुआत में यूक्रेन ने बताया कि उसके सैनिकों का उत्तर कोरियाई इकाइयों के साथ पहली बार मुकाबला हुआ। अमेरिकी अधिकारियों ने रूस में कम से कम 3,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों की तैनाती की पुष्टि की थी, जबकि कीव ने बार-बार कहा है कि यह संख्या इससे कहीं अधिक है। इससे एशिया-प्रशांत में तनाव और बढ़ने की आशंकाएं प्रबल हो गई हैं। इस बीच, ब्रिटेन के रक्षा प्रमुख टोनी राडाकिन ने 'बीबीसी को बताया कि फरवरी 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर आक्रमण के बाद से रूसी सेना को अक्टूबर में सर्वाधिक जनहानि हुई।

उन्होंने कहा कि मॉस्को के ''रोजाना औसतन 1,500 सैनिक हताहत हुए और युद्ध में अब तक उसके कुल 7,00,000 सैनिक मारे गए हैं। इस बीच, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी क्षेत्र में शनिवार रात भर कुल 84 यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया गया। उसने इसे ''असैन्य बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर हमला बताया।

विस्तारा की आज आखिरी उड़ान, कल से एयर इंडिया संभालेगी कमान

नेशनल डेस्क। विलय समझौते के तहत विस्तारा एयरलाइंस आज अपनी आखिरी उड़ान भरेगी। इसके बाद इसके बेड़े का संचालन एअर इंडिया समूह की तरफ से किया जाएगा। बुकिंग भी एअर इंडिया के ही जरिए होगी। यह विलय प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब एअर इंडिया ही एकमात्र पूर्ण सेवा वाहक (एफएससी) विमानन कंपनी रह जाएगी। वहीं विस्तारा में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली सिंगापुर एयरलाइंस के पास विलय के बाद एयर इंडिया में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। इस विलय के साथ ही प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मानदंडों के उदारीकरण के बाद बनी एक विदेशी एयरलाइन के संयुक्त स्वामित्व वाली एक और भारतीय एयरलाइन खत्म हो जाएगी। बता दें कि देश में पिछले 17 वर्षों के दौरान पांच पूर्ण सेवा एयरलाइंस अपनी सेवाओं को अलविदा कह चुकी हैं। वर्ष 2012 में जब मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने विदेशी एयरलाइनों को घरेलू एयरलाइन में 49त्न तक की हिस्सेदारी हासिल करने की अनुमति दी,

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569